हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 10 दिसंबर 2024, वर्ष- 07, अंक- 286, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpreess@gmail.com

एथनिक लुक में राशि खन्ना ने इंटरनेट पर बरपाया कहर एक्ट्रैस की हॉटनेस देख यूजर्स खो...

सिख दंगा : जगदीश टाइटलर के खिलाफ दर्ज मामले में एक और गवाह के बयान दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में सोमवार को 1984 सिख विरोधी दंगों से जुड़े पुलबंगश गुरुद्वारा हिंसा के आरोपित जगदीश टाइटलर के खिलाफ दर्ज मामले में अभियोजन पक्ष के एक गवाह के बयान दर्ज किए गए। स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को करने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान आज जगदीश टाइटलर कोर्ट में पेश हुए। 12 नवंबर को इस मामले की शिकायतकर्ता लखविंदर कौर का क्रास-एग्जामिनेशन किया गया था। टाइटलर की ओर से अनिल कुमार शर्मा ने इस मामले की शिकायतकर्ता लखविंदर कौर का क्रास-एग्जामिनेशन किया। तीन अक्टूबर के इस मामले में शिकायतकर्ता लखविंदर कौर ने अपना बयान दर्ज कराया था। लखविंदर कौर ने कहा था कि ग्रंथी सुरेंदर सिंह ने उन्हें बताया कि उनके पति बादल सिंह को गुरुद्वारा पुलबंगश के पास भीड़ ने हत्या कर दी। जगदीश टाइटलर उस भीड़ को उकसा रहे थे। टाइटलर ने राऊज एवेन्यू की ओर से आरोप तय करने के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है, जो अभी लंबित है।

दुनिया के विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश को लेकर उत्साहित हैं : प्रधानमंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत में कारोबारी माहौल से कारोबारी विशेषज्ञ और निवेशक भारत में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर चलते भारत ने जो विकास किया है वो हर क्षेत्र में नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री राजस्थान के जयपुर में जयपुर प्रदर्शनी एवं सम्मेलन केन्द्र (जेईसीसी) में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट- 2024 और राजस्थान वैश्विक व्यापार एक्सपो का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपने कुशल कार्यबल और विस्तारित बाजार के कारण निवेश के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है। मोदी ने कहा कि आजादी के सात दशक बाद भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाया था, जबकि पिछले एक दशक में ही भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत की

अर्थव्यवस्था और निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। 2014 से पहले के दशक की तुलना में पिछले दशक में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी दो गुना से अधिक बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत का बुनियादी ढांचा व्यय लगभग 2 ट्रिलियन रुपये से बढ़कर 11 ट्रिलियन रुपये हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सफलता लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, डिजिटल डेटा और डिलीवरी की असली ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में लोकतंत्र की सफलता और सशक्तिकरण अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आने वाले कई वर्षों में भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक होगा और भारत में युवाओं की सबसे बड़ी संख्या के साथ-साथ सबसे बड़ा कुशल युवा समूह भी होगा। आज की दुनिया में हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डेटा के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि यह सदी तकनीक-संचालित और डेटा-संचालित है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या में लगभग 4 गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेनदेन में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया को लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और डेटा की अपनी वास्तविक शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। मोदी ने कहा, "भारत ने दिखाया है कि कैसे डिजिटल तकनीक का लोकतंत्रीकरण हर क्षेत्र और समुदाय को लाभान्वित कर रहा है"। यूपीआई, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सिस्टम, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम), ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीवीसी) जैसी भारत की विभिन्न डिजिटल पहलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे कई प्लेटफॉर्म हैं जो डिजिटल इकोसिस्टम की शक्ति को प्रदर्शित करते हैं। उन्होंने कहा कि इनका व्यापक प्रभाव राजस्थान में भी स्पष्ट होगा। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि आजादी के बाद की सरकारों की प्राथमिकता न तो देश का विकास था और न ही देश की विरासत और इसका खामियाजा राजस्थान को भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार विकास के साथ-साथ विरासत के मंत्र पर काम कर रही है जिससे राजस्थान को बहुत फायदा होगा।

केंद्र व राज्य सरकार का उद्देश्य किसान किसी के सामने हाथ न फैलाएं : योगी

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के बाद किसानों के नाम पर राजनीति बहुत लोगों ने की लेकिन किसान राजनीतिक एजेंडे का हिस्सा बन सके, 2014 में ईमानदारी से यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। प्रधानमंत्री ने मृदा परीक्षण कार्ड जारी किया। प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई जैसी योजनाएं चलाई गईं। यूपी में सात वर्ष में 23 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई की अतिरिक्त सुविधा देकर किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाया गया। 2021 में प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड में अर्जुन सहायक परियोजना का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इसके पहले यहां के किसानों को प्रति बीघा पांच हजार रुपये सालाना मिलता था लेकिन लोकार्पण के दो वर्ष बाद वहां के किसानों ने बताया कि उन लोगों ने उन्हीं क्षेत्रों में प्रति बीघा 50 हजार रुपये की आमदनी की। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत एक लाख किसान को सोलर पैनल देने का कार्य निरंतर प्रगति पर

है। 14 लाख से अधिक किसानों के निजी ट्यूबवेल की बिजली माफ की गई। यूपी में 2017 में सरकार आते ही 86 लाख किसानों का 36 हजार करोड़ रुपये का ऋण माफ किया गया। पीएम मोदी के नेतृत्व में किसानों को लागत का डेढ़ गुना दाम मिला। अन्नदाता किसानों को हाथ न फैलाना पड़े। इस उद्देश्य से देश में 12 करोड़ और यूपी में 2.62 करोड़ कृषकों को पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित 'कृषिका-खेती से समृद्धि की ओर' कार्यक्रम में सोमवार को अपनी बातें रखीं। मुख्यमंत्री ने समाचार पत्र के रचनात्मक कार्यक्रमों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने 11 किसानों को चेक, अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न प्रदान किया।

मणिपुर हिंसा : सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से मांगी जली एवं कब्जा की गई संपत्तियों की जानकारी

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में हुई हिंसा के मामले पर सुनवाई करते हुए मणिपुर सरकार से जली हुई, आंशिक रूप से जली हुई, लूटी गई और अतिक्रमण की गई संपत्तियों और इमारतों के बारे में रिपोर्ट तलब की है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने रिपोर्ट में संपत्ति के मालिक का नाम और पते की जानकारी मांगी है। मामले की अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी जानकारी मांगी है कि इस समय उस संपत्ति पर किसका कब्जा है और इन संपत्तियों पर अनधिकृत रूप से कब्जा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ राज्य सरकार ने क्या कार्रवाई की है। साथ ही यह भी पूछा है कि जिनकी संपत्ति पर कब्जा किया गया है उन्हें कितना मुआवजा दिया गया है। आज सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त जस्टिस गीता मित्तल की अध्यक्षता वाली कमेटी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विभा मखीजा ने कहा कि राज्य में काम करने में बाधाएं आ रही थी। सुनवाई के दौरान राज्य में हिंसा के चलते विस्थापित लोगों की ओर से पेश वकील ने कहा कि हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

दिल्ली के 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

एजेंसी, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के करीब 40 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार को ई-मेल भेजकर स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। इन स्कूलों में आरके पुरम का दिल्ली पब्लिक स्कूल, पश्चिम विहार का जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, मदर मैरी स्कूल, ब्रिटिश स्कूल, सलवान पब्लिक स्कूल, कैम्ब्रिज स्कूल प्रमुख हैं। सभी स्कूलों में स्थानीय पुलिस के अलावा डॉग स्क्वायड, बम निरोधक दल और दमकल अधिकारी पहुंचे। खबर लिखे जाने तक तलाशी अभियान जारी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, ई-मेल में लिखा है- "मैंने (स्कूल) इमारतों के अंदर कई बम लगाए हैं। बम छोटे हैं और बहुत अच्छी तरह से छिपाए गए हैं। इससे इमारत को ज्यादा नुकसान नहीं होगा, लेकिन बमों के फटने से कई लोग घायल हो जाएंगे। अगर मुझे 30,000 डॉलर नहीं मिले तो मैं बम विस्फोट कर दूंगा।" दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी ने एक्स पर लिखा-"दिल्ली में लॉ एंड ऑर्डर की ऐसी बदहाल हालत पहले कभी नहीं देखी।" दोनों ने भाजपा को दिल्ली वालों की सुरक्षा करने में नाकाम बताया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, दिल्ली के कई स्कूलों को ई-मेल के जरिए बम की धमकियां मिली हैं। स्कूल प्रशासन ने बच्चों को उनके घर वापस भेज दिया है। पुलिस को सोमवार सुबह सात बजे सूचना मिली थी।

उत्तर प्रदेश के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा पहला विमान, इंडिगो फ्लाइट की सफल लैंडिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार को फ्लाइट की सफलपूर्वक टेस्ट लैंडिंग हुई। इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट संख्या A320 नियो ने नोएडा एयरपोर्ट पर पहली सफल लैंडिंग की। एयरपोर्ट पर विमान का वॉटर कैनन से स्वागत किया गया। ये एयरपोर्ट अप्रैल 2025 से कमर्शियल उड़ानों के लिए खुल जाएगा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनआईएएल) ने अप्रैल 2025 में हवाई अड्डे के वाणिज्यिक उद्घाटन से पहले, नोएडा

इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए पहला उड़ान सत्यापन परीक्षण आयोजित किया। एनआईएएल ने अगले साल 17 अप्रैल, 2025 को हवाई अड्डे के वाणिज्यिक उद्घाटन से पहले आज पहला उड़ान सत्यापन परीक्षण किया। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से इंडिगो एयरलाइन का एक परीक्षण विमान तकनीकी मूल्यांकन के लिए नोएडा के जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। अगले साल अप्रैल, 2025 में वाणिज्यिक उड़ान संचालन शुरू होने से पहले ये विमान तकनीकी मूल्यांकन के लिए जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा। अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट पर सुरक्षा से जुड़े सभी परीक्षण पूरे हो गए हैं। नया इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपने शुभारंभ के लिए तैयार है। अप्रैल में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों गंतव्यों के लिए करीब 30 उड़ानें रवाना होने की उम्मीद है। इसके पहले चरण में प्रमुख घरेलू शहरों को जोड़ने वाली 25 उड़ानें और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए तीन उड़ानें होंगी। इसके अलावा दो उड़ानें कार्गो सेवाओं पर केंद्रित होंगी।

सीरिया की स्थिति पर नजर बनाए हुए है भारत

एजेंसी, नई दिल्ली। सीरिया में विद्रोही समूह की ओर से किए गए सत्ता परिवर्तन पर भारत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। भारत ने सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा है कि हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। सोमवार को विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि हम सीरिया में चल रहे घटनाक्रमों के मद्देनजर वहां की स्थिति पर नज़र रखे हैं। हम इस बात पर ज़ोर देते हैं कि सभी पक्षों को सीरिया की एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए। इसमें कहा गया है, "हम सीरियाई समाज के सभी वर्गों के हितों और आकांक्षाओं का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण और समावेशी सीरियाई नेतृत्व वाली राजनीतिक प्रक्रिया की वकालत करते हैं।"

पंकज चौधरी ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 राज्यसभा में पेश किया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को राज्यसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से विचार और पारित करने के लिए पेश किया। इस विधेयक को लोकसभा ने पिछले हफ्ते ही पारित कर दिया था। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को राज्यसभा में विचार और पारित करने के लिए पेश किया है। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने, निवेशकों, ग्राहकों और उपभोक्ता सुविधा

तथा सुरक्षा बढ़ाने संबंधी बैंकिंग संशोधन विधेयक में बैंक खाताधारक को अपने खाते में अधिकतम चार नामांकित व्यक्ति रखने की अनुमति देने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पास होने से भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन मजबूत होगा। इससे नामांकन और निवेशकों की सुरक्षा के संबंध में उपभोक्ता और ग्राहकों की सुविधा बढ़ेगी। इस विधयेक के जरिए भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम-1934, बैंकिंग विनियमन अधिनियम-1949, भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम-1955, बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम-1970 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण) अधिनियम, 1980 में बदलाव के लिए कुल 19 संशोधन प्रस्तावित हैं।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को धमकी देने के आरोपित को रिमांड पर ले गई दिल्ली पुलिस

एजेंसी।रांची

रक्षा राज्य मंत्री और झारखंड की राजधानी रांची के सांसद संजय सेठ से 50 लाख रंगदारी मांगने के साथ जान से मारने की धमकी देने के मामले में सोमवार को दिल्ली पुलिस की टीम गिरफ्तार आरोपित को साथ ले गई। आरोपित मिन्हाजुल अंसारी को गिरफ़्तार करने के बाद रांची पुलिस और दिल्ली पुलिस की टीम ने सोमवार को उसे रांची सिविल कोर्ट के सीजेएम की कोर्ट के पेश किया। इस दौरान दिल्ली पुलिस ने मिन्हाजुल की 72 घंटों की ट्रांजिट रिमांड देने का आग्रह किया लेकिन कोर्ट ने 48 घंटों की ट्रांजिट रिमांड की मंजूरी दी। इसके बाद दिल्ली पुलिस की टीम मिन्हाजुल को लेकर साथ लेकर दिल्ली के लिए रवाना हो गई। उल्लेखनीय है कि रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उनसे रंगदारी मांगी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। उन्होंने इस संबंध में दिल्ली पुलिस और झारखंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को भी जानकारी दी। शिकायत के मुताबिक, शुक्रवार को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात नंबर से मैसेज आया, जिसमें 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। मैसेज भेजने वाले ने कथित तौर पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी थी।

सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में 17 जनवरी को अगली सुनवाई

एजेंसी, प्रयागराज । भाजपा नेता डा. सुब्रमण्यम स्वामी ने उत्तर प्रदेश सरकार के 2017 के उस फैसले को इलाहाबाद हाई कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें सरकार द्वारा राज्य के मंदिरों से जुड़े मेलों और त्योहारों का प्रबंधन अपने हाथ में लेने का निर्णय लिया गया है। आज केस की सुनवाई के दौरान स्वामी के अधिवक्ता के अनुरोध पर चीफ जस्टिस अरुण भंसाली एवं जस्टिस विकास बुधवार की खंडपीठ ने याचिका की सुनवाई 17 जनवरी तक के लिए टाल दी। कोर्ट इस याचिका पर अब अगले साल 17 जनवरी को सुनवाई करेगा। याचिका में उत्तर प्रदेश सरकार की 18 सितंबर 2017 की अधिसूचना और 3 नवंबर 2017 के परिणामी आदेश को रद्द करने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि यह अधिसूचना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 31-ए का उल्लंघन करती है। यूपी सरकार मनमाने, असंवैधानिक और अवैध तरीके से मंदिरों और उनके धार्मिक समारोहों के प्रशासन, प्रबंधन और नियंत्रण को अपने हाथ में लेने का प्रयास कर रही है। जनहित याचिका में राज्य सरकार को उत्तर प्रदेश राज्य में मंदिरों के मेलों और त्योहारों को सरकारी मेला घोषित करने या उनका नियंत्रण अपने हाथ में लेने से स्थायी रूप से रोकने का निर्देश देने की भी मांग की गई है।

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाएँ और आदर्श समूचे समाज के प्रेरणास्त्रोत : मुख्यमंत्री डॉ यादव

एजेंसी, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण विराट व्यक्तित्व के धनी थे। भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म से लेकर मृत्यु तक अपनी लीलाओं और आदर्शों के माध्यम से समूचे समाज को प्रेरणा दी है। संसार का एकमात्र सत्ता परिवर्तन ऐसा हुआ जब सत्ताधीश कंस को मारने के बाद श्रीकृष्ण सत्ताधीश बनाने के बजाय उज्जैन आकर शिक्षा ग्रहण कर शिक्षा की महत्ता सिखाते हैं। वृंदावन छोड़ने के बाद भी उन्होंने गांव की संस्कृति के महत्व को दर्शाते हुए मोर मुकुट लगाना नहीं छोड़ा। पांच हजार वर्षों बाद भी कल्पनाशीलता के आधार पर जनमानस को प्रभु की लीलाओं का साक्षी बनाने का कार्य राजाधिराज

लव.लाइफ.लीला नाटक का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार देर शाम दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में धनराज नाथवानी कृत राजाधिराज लव- लाइफ- लीला के म्यूजिकल एल्बम विमोचन कार्यक्रम को संबोधित का रहे थे। उन्होंने इस मौके पर राजाधिराज लव- लाइफ- लीला के म्यूजिकल एल्बम का विमोचन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धनराज और भूमि नाथवानी सहित पूरी टीम को इस संगीतमय प्रस्तुति की लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। राजाधिराज लव-लाइफ-लीला भगवान श्रीकृष्ण के जीवनलीलाओं का चित्रण करता एक सुपरहिट मेगा म्यूजिकल नाटक है। इस नाट्य के गीतकार प्रसून जोशी, संगीतकार सचिन-जिगर, निर्माता भूमि नाथवानी और निर्देशक श्रुति शर्मा हैं। नाट्य में भारतीय शास्त्रीय और पश्चिमी सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा का सम्मोहक मिश्रण है, जिसमें मंच अभिनेताओं द्वारा लाइव गायन किया गया है। हवेली संगीत, राजस्थानी और गुजराती लोक, सपकरा, रास गरबा और हिंदुस्तानी अर्ध-शास्त्रीय संगीत जैसी कई शैलियों पर आधारित संगीत और कत्थक, रास गरबा, भरतनाट्यम, छऊ और कलारी जैसी नृत्यकलाओं को इस नाट्य में सम्मिलित किया गया है।

राष्ट्रीय विधवा दिव्यांग जनों को 600 पेंशन देने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राष्ट्रीय विधवा दिव्यांग एवं एवं महिला सेना के राष्ट्रीय संयुक्त संगठन द्वारा मध्य प्रदेश सरकार से दिव्यांग जनों के लिए पेंशन वृद्धि की मांग की जा रही है। आज की महंगाई के दौर में राशि 600 प्रदाय की जा रही है जो बहुत ही काम है। जिस तरह सेवानिवृत्ति सेवा के अधिकारियों को वन रैंक वन पेंशन की योजना है इसी प्रकार दिव्यांग व्यक्तियों के लिए भी योजना होनी चाहिए उनको जीवन यापन में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा, ईंधन , किराना , दवाई जो दैनिक खर्चे हैं उसे पूरा करने से वंचित रह जाते हैं। अस्तु आपसे विनम्र निवेदन है कि राष्ट्रीय विधवा दिव्यांग जनों का

मनोबल बढ़ाने के लिए ग्राम स्तर, तहसील स्तर, जिला स्तर में कैंप लगाकर उनको प्रोत्साहित करने में सहयोग करें। एवं 600 राशि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जो प्राप्त हो रहा है वह राशि 2000 करने का प्रस्ताव लाया जाए जिससे वह उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर रहे। पढ़े लिखे दिव्यांग बंधुओं को उनकी योग्यता अनुसार नौकरी दी जाए एवं जो बिजनेस करना चाहते हैं उन्हें लोन दिया जाए इसके अलावा दिव्यांग जनों को सरकारी नौकरी का लाभ आसानी से मिले इसके लिए भी सरकार से अपील है। दिव्यांग जनों को सरकारी दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ते हैं जिससे आप उनको बहुत परेशानी होती है बहुत सारे दिव्यांग अपनी प्रतिभा से देश विदेश में नाम कमा रहे हैं दिव्यांग जन शरीर से दिव्यांग हो सकते हैं मन से नहीं।

बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय का पहला दीक्षांत समारोहः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गरिमामयी उपस्थिति

नई सोच एक्सप्रेस

» "बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय, पटना का आज पहला दीक्षांत समारोह ऐतिहासिक रूप से सम्पन्न हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने छात्रों को डिग्रियां और सम्मान प्रदान किया। यह समारोह राज्य में तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा को नई दिशा देने वाला साबित हुआ है। आइए, जानते हैं इस महत्वपूर्ण आयोजन से जुड़ी खास बना दिया

पटना। बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह का भव्य आयोजन आज पटना में किया गया। समारोह में बिहार के कुलाधिपति और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा, और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह की उपस्थिति ने इस आयोजन को और गरिमामयी बना दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, "यह विश्वविद्यालय बिहार के युवाओं के लिए तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा मंच

प्रदान कर रहा है। हमें गर्व है कि आज हमारे छात्र नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।" उन्होंने छात्रों को राज्य के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने छात्रों को नवाचार और अनुसंधान में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह बिहार में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक नई शुरुआत का प्रतीक है।

समारोह के मुख्य आकर्षणः स्नातक और परास्नातक डिग्रियों का वितरण,उत्कृष्ट छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान,मुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों के प्रेरणादायक संबोधन

समापनःसमारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह आयोजन छात्रों, शिक्षकों और राज्य के लिए प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरा।

संक्षिप्त समाचार

ट्रैक रिकार्ड भूल तेजस्वी निकलेयात्रा पर, जनता को है सब कुछ यादः डॉ मधुरेंदु पांडेय

पटना। जदयू नेता डॉ.मधुरेंदु पांडेय ने आज कहा है कि इन दिनों नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव भी जन-प्रिय नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कदमों का अनुशरण कर जनता के बीच अपनी खोयी प्रतिष्ठा अर्जित करने यात्रा पर निकले हैं लेकिन आज भी बिहार की जनता उन जख्मों को नहीं भूल पायी है जो लालू-राबड़ी के शासन के दौरान यहां के लोगो ने झेले हैं।सूबे को बीमारू राज्य ही नहीं अपितु अपराध की शरणस्थली बनाने में इन लोगों को महारत मिली हुई है लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने आत्मविश्लेषण व विश्वास से बिहार को उबार लिया। जनता भयमुक्त हो कर सूबे के विकास में सहभागी बनी और नेतृत्वकर्ता नीतीश कुमार व बिहार,एक दूजे का पर्याय बनते गये और राज्य व कानून का राज स्थापित होने में गति आयी जिसपर जनता भी मुहर लगातार लगती आ रही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी जनता को अपने झूठे बयानों से दिग्भ्रमित ही किया है। क्रिकेट,शिक्षा समेत भ्रष्टाचार के नये नमूने गढ़ने वाले तेजस्वी यादव अब जनता के बीच निकल कर बिहार विधान सभा चुनाव से पहले जनता को हाथ में लालटेन लेकर भयाक्रांत करने तथा बयानवीर बनने निकल गये है।जिन जिलों में वे अबतक गये है वहां के माननीय महान जनता ने मन में छुरी के बीच हथजोरी की कहानी समझ ली होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शीतलहरी के बीच भी जनसंवाद बनाए रखा। तेजस्वी यादव किस मुंह से मांगे मंजूरी क्यूंकि उन्होंने तो जनता से आज भी जी हुजूरी की लत लगी हुई है।

बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज का पहला दीक्षांत समारोह, सीएम ने टॉपर्स छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

पटना। बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज में आज पहला दीक्षांत समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन पटना के संवाद कक्ष में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर सीएम नीतीश कुमार शामिल हुए। इस समारोह में सीएम ने अभियंत्रण परीक्षा में टॉप किए छात्र-छात्राओं को डिग्री, मेडल और लैपटॉप देकर उन्हें सम्मानित किया।कार्यक्रम के दौरान विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तैयार की गयी विभागीय उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म मुख्यमंत्री के समक्ष दिखाई गयी। उट नीतीश ने बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय के पुस्तक का विमोचन भी किया। सीएम नीतीश ने सम्मानित होनेवाले छात्रों को बधाई और शुभकामनायें देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। दरअसल, बिहार सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत सभी जिलों में राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना करायी गयी है। सीएम नीतीश ने यह परिकल्पना थी कि राज्य में अलग से एक स्वतंत्र अभियंत्रण विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए ताकि पठन-पाठन का सत्र नियमित रूप से होने के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हो सके। इसको ध्यान में रखते हुए उट नीतीश के नेतृत्व में बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की गयी है। विज्ञान प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक इंजीनियरिंग कॉलेज में उच्चस्तरीय आधारभूत संरचना, उच्च गुणवत्ता के प्रयोगशाला, वर्कशॉप और स्मार्ट क्लासरूम का निर्माण किया जा रहा है। अभियंत्रण महाविद्यालय को पूर्ण रूप से आवासीय बनाया जा रहा है, जहां छात्रावास और शिक्षकों के लिए आवास का निर्माण कराया जा रहा है।इंजीनियरिंग कॉलेज में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और विभिन्न प्रकार की नयी-नयी तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, योग प्रशिक्षण और मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया जा रहा है। सरकार के इन सकारात्मक प्रयासों का असर छात्रों के प्लेसमेंट पर पड़ा है। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं का नियोजन अच्छे-अच्छे संस्थानों में हो रहा है।वहीं इस कार्यक्रम में डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिंह मौजूद रहे। इसके साथ ही जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

जिन्होंने नौकरी के बदले जमीन हड़पा उनके फ्री बिजली के वादों पर जनता को भरोसा नहींः उमेश

» सत्ता में आकर लूट मचाना और विपक्ष में बैठकर झूठ फैलाना राजद का स्वभाव

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को बयान जारी कर राजद को जमकर लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने रेलवे में नौकरी के नाम पर गरीबों और असहायों का जमीन लिखवाया उनके द्वारा 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने के वादों पर जनता कभी भरोसा नहीं करेगी। बिहार की जनता अब राजद के असली चाल-चरित्र को बखूबी समझ चुकी है। श्री कुशवाहा ने कहा कि सरकारी खजानों में सेंधमारी कर अपनी तिजोरी भरने वाले कभी गरीबों के हितैषी नहीं हो सकते हैं। जबकि यह सर्वविदित है कि राजद ने 15 वर्षों के अपने शासनकाल में सबसे अधिक गरीबों को लूटने और प्रताड़ित करने का काम किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सत्ता में आकर लूट मचाना और विपक्ष में बैठकर झूठ फैलाना विपक्षी पार्टियों का स्वभाव बन चुका है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लालू-राबड़ी की सरकार में बिजली का आना एक उत्सव के रूप में देखा जाता था। 15 वर्षों के शासन में राजद ने कभी गरीब के घरों तक बिजली पहुँचाने का कोई ठोस प्रयास नहीं किया लेकिन आज प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में 23 से 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 21 से 22 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। प्रति व्यक्ति बिजली की खपत भी 70 यूनिट से बढ़कर अब 360 यूनिट हो चुकी है।श्री कुशवाहा ने कहा कि हमारे नेता ने प्रदेश के कोने-कोने में बिजली पहुंचाने का काम किया और हम आज पूरे गौरव से कह सकते हैं कि बिहार से लालटेन युग की समाप्ति हो चुकी है। आगे उन्होंने कहा कि हाथों में लालटेन लेकर झूठ फैलाने वालों का भी 2025 के चुनाव में राजनीतिक खात्मा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने विश्व की सबसे बड़ी खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का मशाल जलाकर किया शुभारंभ

सात उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 20 लाख रूपये सलाना की छात्रवृत्ति मिली

नई सोच एक्सप्रेस

» एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल और वालीबॉल खेल विधा में प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी

» प्रतियोगिता में राज्य के करीब 40 हजार सरकारी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 60 लाख प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल होंगे

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने विश्व की सबसे बड़ी खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 'बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' का मशाल जलाकर शुभारंभ किया। पाटलिपुत्र खेल परिसर, कंकड़बाग के इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बिहार खेल छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत बेहतर प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु सात उत्कृष्ट खिलाड़ियों को 20 लाख रूपये सलाना की छात्रवृत्ति प्रदान की। खिलाड़ियों के बीच मुख्यमंत्री ने खेल किट का भी वितरण किया। शुभारंभ समारोह में बिहार बालिका वुशु टीम की खिलाड़ियों ने ताउलू एवं वॉल माउंटिंग का लाइव प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री के समक्ष बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता पर आधारित लघु वृतचित्र प्रदर्शित की गयी। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान के साथ की गयी। खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री के साथ सामूहिक तस्वीर भी खिंचवाई। ज्ञातव्य है कि 'बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' राज्य सरकार की खेल और खिलाडियों के सर्वांगीण विकास की प्रतिबद्धता के अनुरूप अत्यंत महत्वपूर्ण और महात्वाकांक्षी योजना है। इसका मूल उद्देश्य राज्य में खेल संस्कृति के विकास को बढ़ावा देना है। इस खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के माध्यम से स्कूली छात्रों तथा स्कूल से बाहर के प्रतिभावान खिलाडियों की पहचान कर उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बनाना है ताकि वर्ष 2032 और वर्ष 2036 में आयोजित होने वाले ओलंपिक गेम्स में राज्य और देश के लिए पदक जीत सकें। इस प्रतियोगिता में राज्य के करीब 40 हजार सरकारी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 60 लाख प्रतिभावान खिलाड़ी शामिल होंगे। इसके साथ-साथ ऐसे प्रतिभावान खिलाड़ी जो स्कूल से बाहर हैं, उन्हें भी इस खोज प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिलेगा। इसके जरिये प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन प्रखंड स्तर, जिला स्तर, प्रमंडल स्तर एवं राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। इसके लिये एथलेटिक्स, कबड्डी, फुटबॉल और वालीबॉल खेल विधा में प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। एथलेटिक्स के अंतर्गत दौड़, लंबी कूद और क्रिकेट बॉल थ्रो शामिल है। यह प्रतियोगिता 14 वर्ष से कम आयु वर्ग और 16 वर्ष से कम आयु वर्ग श्रेणी में बालक और बालिका दोनों के लिए आयोजित की जायेगी। बिहार खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, खेल विभाग, शिक्षा विभाग, एस०सी०ई०आर०टी० और बिहार शिक्षा परियोजना परिषद के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले विभिन्न स्तर के विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ई-सर्टिफिकेट देने के साथ ही कुल 10 करोड़ रूपये का नकद पुरस्कार भी खिलाड़ियों के बीच वितरित किया जायेगा। इसके अलावा प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल किट (बैग, टी शर्ट, इंस्ट्रूमेंट बॉक्स आदि) प्रोत्साहन के रूप में दिए जाएंगे। इस प्रतियोगिता में प्रखंड स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 1000 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 600 रूपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 400 रुपये पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जायेगा। वहीं जिला स्तर पर आयोजित होने वाले प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 2500 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 1500 रूपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 1000 रुपये की नकद राशि पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जायेगा, जबकि राज्य स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 5000 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को 3000 रूपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने खिलाड़ी को 2000 रुपये प्रदान किये जायेंगे। इस प्रतियोगिता में शामिल होने वाले प्रतिभागी खिलाड़ियों के आवेदन प्राप्त करने के लिए पोर्टल तैयार किया जा रहा है, जिस पर इच्छुक प्रतिभागी अपना आवेदन कर सकेंगे। इस अवसर पर जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, खेल मंत्री श्री सुरेन्द्र मेहता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, खेल विभाग के प्रधान सचिव डॉ० बी० राजेंदर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक श्री रवीन्द्रण शंकरण, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, निदेशक, खेल श्री महेन्द्र कुमार सहित खेल विभाग के अधिकारीगण एवं हजारों की संख्या में विभिन्न खेलों से जुड़े खिलाड़ी उपस्थित थे।

बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर,बने यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव में एक बार फिर से बिहार के राज्यपाल व यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष माननीय राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के त्रैवार्षिक चुनाव में बिहार के माननीय राज्यपाल श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने लगातार दूसरी बार निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। विदित हो कि चुनाव के सभी कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय युवा आवास (इंटरनेशनल यूथ हॉस्टल) 5 न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी ,नई दिल्ली में संपन्न हुआ है। इस चुनाव में देश के विभिन्न राज्यों से 11 प्रत्याशियों ने नामांकन किया, जिसमें 7 प्रत्याशियों का नामांकन किसी न किसी त्रुटि के कारण रद्द हो गया, सिर्फ चार प्रत्याशियों का नामांकन वैध पाया गया, चुनाव

के लिए माननीय श्री आर्लेकर के साथ बाकी जो तीन प्रत्याशी श्री अशोक गोलाने (मध्य प्रदेश) श्रीमती सविता भौमिक (दिल्ली) एवं श्री बी.उमा. महेश्वर राव (आंध्र प्रदेश) ने यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व बिहार के राज्यपाल माननीय आर्लेकर के सम्मान में अपना नामांकन वापस ले लिया । जिसके फल स्वरुप उन्हें सर्व सम्मति से निर्विरोध निर्वाचित होने का सम्मान प्राप्त हुआ। इसके बाद माननीय श्री आर्लेकर के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने पर यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं बिहार के साथ अन्य राज्यों के पदाधिकारियों ने भी बधाई और अनेकों शुभकामनाएं दिए। मालूम हो कि यूथ हॉस्टल एसोसिएशन एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का संगठन है जो युवाओं को विभिन्न कार्यों में प्रशिक्षण देने, ट्रैकिंग,खेल,सांस्कृतिक गतिविधियों आदि को बढ़ावा देने,पीड़ित मानवों के सहयोग करना,रक्तदान,समाजसेवा आदि समाज और देश में कार्य करने के लिए जाना जाता है ।

पुस्तक मेला में अपने पसंद की किताबों को ढूंढ रहे पाठक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजधानी के गांधी मैदान में आयोजित पटना पुस्तक मेला में पाठक अपने पसंद की किताबों को ढूंढ़ते नजर आये। इस संबध में पटना पुस्तक मेलाके प्रवक्ता विनीत कुमार ने बताया कि पुस्तक मेला के पाटलिपुत्रा कॉलोनी मंच पर सोमवार को नई किताब कार्यक्रम में चानी सिंह की लिखित पुस्तक द लीपिंग ईयर पर बातचीत का आयोजन किया गया. चानी से बातचीत श्रुति देव ने किया। चानी सिंह ने कहा कि यह किताब मनुष्य की जीवन में आने वाले खुशी और गम दोनों पर बात करती हैं. जीवन जीने के तरीके को बताती हैं। चानी सिंह ने कहा कि हम लोग छोटे छोटे कदम बढ़ाकर सफलता को प्राप्त कर सकते हैं. समस्या समय को बर्बाद करती हैं इस कारण इसका निदान तुरंत करनी चाहि। चानी सिंह ने कहा कि द लीपिंग ईयर किताब पाठकों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं। हमें अपने अंदर के नकारात्मक एनर्जी को खत्म कर अपने लक्ष्य की तरफ सकारात्मक ऊर्जा के साथ बढ़नी चाहिए। बच्चे जैसे कथा कहानी में पर्यावरण से जुड़ी कहानियां पटना 9दिसंबर गांधी मैदान में आयोजित 40 वां सीआरडी पटना पुस्तक मेला में यूनिसेफ के सौजन्य से प्रतिदिन होने वाले पहले सत्र, "बच्चे जैसे कथा-कहानी" में डॉ कुमार विमलेन्दु सिंह ने बच्चों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी कहानियां सुनाई। बच्चों ने इसी विषय पर कहानी भी लिखी। कहानी के बीच-बीच में माउथ ऑर्गन का प्रयोग करते हुए, विमलेन्दु ने एक संगीतमय माहौल बना दिया। बच्चों ने भी "सुनो कहानी" गीत विमलेन्दु के साथ गाया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया। मेला के श्रीकृष्णा पुरी मंच पर जानो जंक्शन एपिक शो के बिज चैंप्स में 20 स्कूल के बच्चों ने भाग लिया। इनमें से तीन स्कूल के बच्चे क्वालीफाई किये, जिनके बिजनेस आईडिया को जज आलोक को फाउंडर को वर्किंग स्टुडियो और नितिन तिवारी मेडावर्स टेक एक्स लैब के सह संस्थापक , ने जांचा परखा। प्रतियोगिता में संत जीसेफ कॉन्वेंट हाई स्कूल के बच्चे ऋषिका कुमारी, शांभवी जायसवाल और अन्वी आनंद ने बेहतर आइडिया को परजेंट कर पहला नंबर पाया. वही दूसरे स्थान पर नेट्रोडम अकादमी के बच्चे जोया राशिद और वर्पिका वर्मा ने दूसरा स्थान पाया.इसके पूर्व जज आलोक और नितिन को जानो जंक्शन के अपूर्व राज पांडेय और पटना पुस्तक मेला की ओर से प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कैरियर एंड कांउसिल के अंतर्गत भारत इंस्टीट्यूट ऑफ एयरोनॉटिक्स से आयीं एकेडमिक काउंसलर अनु सिन्हा से छात्रों के ज्ञान और रोजगार से संबंधित संवाद हुआ। इस सत्र में चर्चा के दौरान युवाओं के मन में उठ रहे कई सवालों का जवाब भी निकलकर आया कि बच्चे दसवीं के बाद क्या, कैसे पढ़े। वर्तमान समय में रोजगार के अवसर तलाशना कैसे आसान हो। किन क्षेत्रों में संभावनाएं अधिक है। शिक्षा प्राप्त करने के बाद अक्सर लोग अपने आर्थिक आधार के लिए रोजगार या व्यवसाय के तरफ मुड़ते है। ऐसे में निश्चित सफलता के लिए वे क्या करें । इस सत्र का संचालन डॉ केकी कृष्ण ने किया। कार्यक्रम के अतिम चरण में दर्शकों के सवालों का जवाब भी दिया गया। नुक्कड़ नाटक महोत्सव के तीसरे दिन दोपहर 2 बजे प्रथम दर्शक मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप नीलेश्वर मिश्र,राष्ट्रीय अभिनय सम्मान ,भारत सरकार से सम्मानित उपस्थित थे।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और यूएनडीपी के बीच इकरार

नई सोच एक्सप्रेस

» आपदा जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

पटना। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) और यूनाइटेड नेशन डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी) के बीच एक महत्वपूर्ण इकरारनामा (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए है। यह इकरारनामा बिहार में आपदा जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए एक संयुक्त कार्यक्रम के तहत किया गया है। सोमवार को उपाध्यक्ष डॉ. उदय कान्त की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में प्राधिकरण के सदस्य पी. एन. राय, कौशल किशोर मिश्र, नरेंद्र सिंह, प्रकाश कुमार और यूएनडीपी की भारत में डेप्युटी रेजिडेंट प्रतिनिधि सुश्री इजाबेल सान उपस्थित थीं। समारोह के दौरान, प्राधिकरण के सचिव मो. वारिस खान और यूएनडीपी की प्रतिनिधि सुश्री इजाबेल सान ने एमओए दस्तावेजों का औपचारिक आदान-प्रदान किया। इस एमओए के तहत यूएनडीपी बिहार में आपदा जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा, जिसमें विभागीय आपदा प्रबंधन योजनाओं का निर्माण, शहरी आपदा प्रबंधन योजना को सुदृढ़ करना, और आपदा प्रबंधन से जुड़े पदाधिकारियों का प्रशिक्षण शामिल है। यह समझौता बिहार में आपदा जोखिम प्रबंधन को मुख्यधारा में शामिल करने, जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग, सरकार और समुदायों की क्षमता को बढ़ाने, 15वें वित्त आयोग की सिफारिशों के तहत संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करने और खतरा जोखिम तथा संवेदनशीलता विश्लेषण के साथ समुदाय स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। इसके अतिरिक्त, राज्य स्तरीय कार्यशालाओं, अनुभव यात्राओं और एआर,वीआर आधारित वीडियो जैसे जागरूकता सामग्री के निर्माण की योजना शामिल है। इस अवसर पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कान्त ने कहा कि यूएनडीपी के सहयोग से बिहार में आपदा प्रबंधन की रणनीति और भी प्रभावी होगी। उन्होंने उल्लेख किया कि यूएनडीपी का अनुभव बिहार को आपदा न्यूनीकरण उपायों की योजना बनाने में मदद करेगा। इस कार्यक्रम में प्राधिकरण के विशेष सचिव आशुतोष सिंह, विशेष कार्य पदाधिकारी मो. मोइज्ज उद्दीन सहित पदाधिकारीगण और यूएनडीपी के राज्य परियोजना पदाधिकारी डॉ. कुणाल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्राधिकरण के वरीय शोध पदाधिकारी श्री दीपक कुमार ने किया।

इंडी की बारात में तेजस्वी की हैसियत बैंडवाले जैसी : प्रभाकर

नई सोच एक्सप्रेस

» हरियाणा और महाराष्ट्र में करारी हार के बाद इंडी में सिर फुटौव्वल की स्थिति

» बिहार की हार 'इंडी' गठबंधन के ताबूत की आखिरी कील साबित होगी

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव 'इंडी' गठबंधन के नेतृत्व को लेकर आजकल बहुत फड़फड़ा रहे हैं। लेकिन, सच है कि 'इंडी' की बारात में तेजस्वी की हैसियत एक बैंड वाले से ज्यादा कुछ नहीं है। श्री मिश्र ने सोमवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में करारी हार के बाद 'इंडी' गठबंधन में सिर फुटौव्वल की स्थिति है। हार की हताशा इतनी गहरी है कि नेतृत्व को लेकर घमासान मचा है। कोई किसी का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार नहीं है। असल में इंडी गठबंधन घमंडियों और भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा है। इनका घमंड सातवें आसमान पर है। घमंड ही इनके विनाश का कारण बनेगा। श्री मिश्र ने कहा कि इंडी गठबंधन का नामोनिशान जल्द ही मिटने वाला है। इंडी गठबंधन के नेता हार का ठीकरा एक-दूसरे पर फोड़ने में जुटे हैं। इंडी गठबंधन का नेतृत्व चाहे कोई करे, जनता इस गठबंधन को पूरी तरह नकार चुकी है। इंडी के हार का सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है। इसका अस्तित्व जल्द ही खत्म हो जाएगा। बिहार विधानसभा चुनाव में भी करारी हार तय है। बिहार की हार इंडी गठबंधन के ताबूत की आखिरी कील साबित होगी।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

स्कूल क्रिकेट लीग के पहला सेलेक्शन ट्रायल 15 दिसंबर को

पटना। टर्निंग प्वाइंट की ओर से आयोजित होने वाले कासा पिकोला स्कूल क्रिकेट लीग अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवें संस्करण में भाग लेने वाली टीमों के गठन के लिए पहला सेलेक्शन ट्रायल 15 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा। यह सेलेक्शन ट्रायल राजीवनगर स्थित वीणा विद्या निकेतन स्कूल में चलने वाली राजीव क्रिकेट एकेडमी में होगा। इसकी जानकारी देते हुए टर्निंग प्वायंट के निदेशक सह आयोजन अध्यक्ष विजय शर्मा ने बताया कि इस लीग में केवल पटना के स्कूल के छात्र खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं। कासा पिकोला के सीएमडी राजेश शर्मा ने कहा कि इस बार का आयोजन भव्य होगा और हमारी चाहत है कि प्रतिभावान खिलाड़ी इस टूनामेंट में अपना जलवा बिखेरे और आगे बढ़ें। सुमित शर्मा ने बताया कि चयन ट्रायल सुबह 8 बजे से आयोजित किया गया है। खिलाड़ी अपने कीट सहित आधार कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र व दो पासपोर्ट साइज दो फोटो के साथ ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं। आयोजन सचिव नवीन कुमार ने बताया कि पहले ट्रायल से तीन टीमों का गठन किया जायेगा।

बैद्यनाथ प्रसाद मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट का शानदार आगाज आज

पटना। स्थानीय क्रिकेट एकेडमी ऑफ बिहार के ग्राउंड पर आगामी 10 दिसंबर से बैद्यनाथ प्रसाद फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित होने वाले बैद्यनाथ प्रसाद मेमोरियल अंडर-13 इंटर स्कूल इंटर स्कूल क्रिकेट टूनार्मेंट की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उद्घाटन मुकाबला एसके पुरी पार्क बनाम बसावन पार्क सीए के बीच खेला जायेगा। टूनार्मेंट के बारे में जानकारी देते हुए स्व. बैद्यनाथ प्रसाद के पुत्र सह आयोजन अध्यक्ष शिशिर कुमार (पटना मेयर प्रतिनिधि) ने बताया कि उद्घाटन समारोह के अवसर पर पटना की मेयर सीता साहू, बिहार क्रिकेट संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी, पटना की उप मेयर रेशमी चंद्रवंशी, बिहार क्रिकेट संघ के सचिव जिआउल आफरीन समेत पटना नगर निगम के सशक्त समिति के सदस्य समेत कई वार्ड पार्षदों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस प्रतियोगिता में स्कूल, एकेडमी और संस्थानों की टीमें हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा कि मैच नॉकआउट आधार पर खेले जायेंगे। इस टूनार्मेंट में 16 टीमों को भाग लेने की अनुमति दी जायेगी। मैच का संचालन पैनल अंपायरों के द्वारा कराया जायेगा। मैच 25-25 ओवर के खेले जायेंगे। प्रतिदिन 2-2 मैच खेले जायेंगे।उन्होंने बताया कि मैच सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन के संस्थापक सचिव संतोष तिवारी आयोजन सचिव होंगे जबकि क्रिकेटर सुमित शर्मा को संयोजक के रूप में काम करेंगे। उन्होंने बताया कि इस टूनार्मेंट के विजेता व उपविजेता टीम को चमचमाती ट्रॉफी के अलावा प्लेयरों को व्यक्तिगत पुरस्कार दिये जायेंगे। साथ ही प्रतिदिन मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया जायेगा।

कुंदन आर्य की हत्या पर पर रालोजपा ने जताया रोष

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के आईटी सेल में कार्यरत पटना के मनेर निवासी 18 वर्षीय युवक कुंदन आर्य की हत्या पर गहरा रोष एवं दुख प्रकट करते हुए कहा कि उपेंद्र कुशवाहा के साथ कार्यरत कुंदन आर्य की हत्या अपराधियों के द्वारा रविवार के देर रात्रि में गोली मारकर कर दी गई। यह घटना बिहार की कानून व्यवस्था पर बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अग्रवाल ने अपनी पार्टी के माध्यम से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से यह मांग किया है कि नीतीश कुमार स्वयं अपने स्तर से और गंभीरता से इस हत्या की घटना को अपने संज्ञान मैं लेकर मृतक कुंदन आर्य के परिवार को न्याय दिलाए और अपराधियों पर कठोर से कठोर करवाई पटना पुलिस करें। क्योंकि कुंदन आर्य एक होनहार और प्रतिभावान छात्र था अपराधियों ने कुंदन आर्य की हत्या कर गरीब पीड़ित परिवार को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अग्रवाल ने कहा कि कुंदन आर्य बेहद ही गरीब परिवार से था और वही पूरे परिवार के आजीविका का एकमात्र सहारा था इसलिए बिहार सरकार मृतक परिजनों को समुचित मुआवजा भी दे।

बीपीएससी परीक्षा की तिथि बढ़ाए : भाकपा

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय ने पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुए लाठी चार्ज की शख्त निंदा करते हुए बिहार लोक सेवा अयोग द्वारा आयोजित 70वीं प्रारंभिक परीक्षा की तिथि में बदलाव करने की मांग की है। बिहार लोक सेवा आयोग का सर्वर डाउन रहने के कारण लाखों अभ्यर्थियों ने परीक्षा फार्म नहीं भर पाया। अभ्यर्थियों द्वारा अपनी मांगो को लेकर पटना में आयोजित प्रदर्शन पर पुलिस प्रशासन द्वारा लाठी चार्ज किया गया। अब बीपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसम्बर 2024 को लेने पर अड़ा हुआ है। यह निंदनीय और आपत्तिजनक है। अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज भाजपा-नीतीश सरकार के अहंकार और अफसरशाही के तानाशाही का प्रतीक है। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हस्तक्षेप कर बिहार लोक सेवा अयोग के तानाशाही रवैया पर रोक लगावे। आयोग का दावा पूरी तरह निराधार है। सर्वर डाउन नहीं रहता तो अभ्यर्थी सड़क पर क्यों उतरते। इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाए। आयोग विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करे। सर्वर की खामी को स्वीकारते हुए फॉर्म भरने के अवसर को पुनः प्रदान करे। भाकपा राज्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने स्तर से हस्तक्षेप करे। बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिस पदाधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करे। विद्यार्थियों को फिर से फार्म भरने का समय दिया जाए और 13 दिसम्बर को आयोजित होने वाली बीपीएससी की 70 वीं प्रारंभिक परीक्षा को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाय।

कानपुर में बिहार के 7 मुन्ना भाई गिरफ्तार, गैंग का लीडर रंजीत यादव मधुबनी जिले का रहनेवाला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। उत्तर प्रदेश स्पेशल टॉस्क फोर्स (UPSTF) (कानपुर यूनिट) की टीम ने अंतर्राज्यीय सॉल्वर गिरोह का पर्दाफाश कर बिहार के 7 "मुन्नाभाइयों" समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। गैंग का लीडर बिहार के मधुबनी जिले का रहने वाला रंजीत यादव बताया जा रहा है। रंजीत पटना में किराए के मकान में रहकर एक साइबर कैफे से पूरे गिरोह को ऑपरेट करता है। गिरोह के संपर्क में कई युवतियां भी बताई जा रही हैं। पकड़े गए लोगों में गिरोह की कमान को यूपी में संभालने वाला राहुल कुमार भी है। राहुल कुमार प्रयागराज का निवासी बताया जा रहा है। पटना के महेंद्र पोस्ट ऑफिस के पास किराए के मकान में रहता है रंजीत यादव STF इंस्पेक्टर घनश्याम यादव के मुताबिक "मुन्नाभाई" गिरोह का लीडर रंजीत यादव है। रंजीत यादव अपने बेहद करीबी गुड्डू और जितेंद्र के जरिए पूरे नेटवर्क को बिहार की राजधानी पटना से ऑपरेट करता

» पटना के महेंद्रू से ऑपरेट करता था कई राज्यों में फैला गैंग

है। मधुबनी जनपद का निवासी रंजीत यादव वर्तमान समय में पटना जनपद में महेंद्र पोस्ट ऑफिस के पास किराए के मकान में रहता है। पास में ही एक साइबर कैफे है। इस साइबर कैफे को रंजीत यादव ने अपने नेटवर्क का अड्डा बना रखा है। रंजीत के गिरोह में कई युवतियों के भी जुड़े होने की सूचनाएं मिल रही हैं। गिरोह के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर सॉल्वर करने वाले लोग करीब-करीब हर प्रांत में हैं।

बिचौलियों के जरिए अभ्यार्थियों से मिलता है गैंग लीडर रंजीत-पकड़े गए "मुन्नाभाइयों" ने पूछताछ में STF को बताया कि ऑन लाइन फार्म भरने वाले अभ्यार्थी बिचौलिए के जरिए गिरोह तक पहुंचते हैं। बातचीत के में यदि पक्का हो जाता है तो फिर गिरोह अपने ढंग से फेक

आइडी तैयार करवाने के बाद किस सॉल्वर को परीक्षा देने जाना है यह भी तय कर लेता है। नए सॉल्वर को सिर्फ 10 हजार रुपए ही दिए जाते हैं। जबकि पुराने सॉल्वर को ये रकम 40-50 हजार रुपए तक दी जाती है। परीक्षा केंद्र में बैठने के बाद अभ्यार्थी के करीबी लोगों से तुरंत तय रकम का शेष हिस्सा वसूला जाता है।

UP में बैठा "सरदार" नए सॉल्वर को ले जाता है परीक्षा केंद्र-"मुन्नाभाई" के लीडर रंजीत यादव ने हर प्रांत में अपना नेटवर्क खड़ा कर रखा है। यूपी में ये काम उसने प्रयागराज जनपद निवासी राहुल कुमार को दे रखा है। राहुल अधिकतर समय पटना में ही रंजीत यादव के साथ रहता है। सौदा पक्का होने के बाद नए सॉल्वर को वह लेकर खुद परीक्षा केंद्र तक पहुंचता है। पूछताछ में सभी ने बताया कि नए सॉल्वर के पकड़े जाने की संभावना अधिक रहती है। इस लिए उसकी निगरानी अधिक करनी पड़ती है साथ ही एक व्यक्ति सेंटर पर मौजूद रहता है। ताकि वह हड़बड़ी में कोई गलती न कर दे। जबकि पुराने सॉल्वर में ये दिक्कत नहीं आती है। पकड़े गए "मुन्नाभाइयों" में 7 बिहार और 3 यूपी के STF टीम को लगार सॉल्वर गिरोह की सूचनाएं मिल रही थीं। सर्विलांस के जरिए कई मोबाइल नंबरों को टीम ने ट्रेस करना शुरु किया तो गिरोह की कड़ी का पता चला। फ्राइ-डे की रात को प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर सॉल्व करने वाले कुछ "मुन्नाभाइयों" की लोकेशन कानपुर के कल्याणपुर में मिली तो STF तुरंत अलर्ट हो गई। शनिवार को STF ने 10 "मुन्नाभाइयों" पकड़ने में सफलता प्राप्त की। इसमें यूपी के प्रयागराज का रहने वाला राहुल कुमार है। गिरोह के लिए यूपी की कमान राहुल कुमार के पास है। STF ने बिहार और यूपी के जिन सॉल्वर को गिरफ्तार किया है उनके नाम 1- महेश कुमार यादव 2- प्रवेश यादव 3- सुनील कुमार निवासी थाना मरोंना जिला सुपौल 4-ललित कुमार यादव तुलस्याही, सुपौल 5- अजय कुमार तांती थाना सोहसराय जिला नालंदा, 6- विकास कुमार मालाकार निवासी थाना सिलाव जिला नालंदा 7- मुकेश कुमार सिंह थाना भोरे जिला गोपालगंज बिहार के रहने वाले हैं। जबकि पकड़े गए अजय कुमार यादव निवासी नवाबगंज प्रयागराज, रामबाबू पाल निवासी प्रयागराज कंडीडेट हैं। जो कि मोटी रकम देकर सॉल्वर से प्रतियोगी परीक्षा अपने नाम से दिलवा रहे थे।

कानपुर में कई बार परीक्षा दे चुके हैं "मुन्नाभाई"- पकड़े गए सॉल्वर गिरोह के लोगों ने बताया कि वो लोग पहली बार कानपुर में परीक्षा देने नहीं आए हैं बल्कि 6-12 बार वो लोग यहां पर परीक्षा दे चुके हैं। पकड़े गए सभी सॉल्वर काफी पुराने और अनुभवी हैं। इनके पास से नकदी के साथ-साथ STF ने 11 मोबाइल, 21 एडमिट कार्ड, फर्जी वोटर आइडी (1), ब्लैंक चेक 5, इसमें दो SBI, 3 HDFC बैंक की हैं। तीन ड्राइवरिंग लाइसेंस, आधार कार्ड 19, एटीएम कार्ड 6, पैनकार्ड 3, एक बाइक और एक स्कूटी की बरामदगी की गई है। सभी के खिलाफ कानपुर के कल्याणपुर थाने में कई धाराओं के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत करवाया गया है।

तृप्ति शाक्य और मुन्ना पंडित ने सोनपुर मेला में गायन प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। कला संस्कृति एवं युवा विभाग के सांस्कृतिक कार्य निदेशालय द्वारा हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला 2024 के मुख्य मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत बिहार के सांस्कृतिक संस्थानों का कार्यक्रम प्रतिदिन आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन के क्रम में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना ने लोकगीत गा कर दर्शकों को बैठे रहने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम में कलाकारों में सारण के आशीष कुमार, पटना के गजल गायक सत्यम शेखर, गया के लोकगीत गायक मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना, सारण की लोकगीत गायिका स्निधा कुमारी ने अपना अपना कार्यक्रम प्रस्तुत की। कार्यक्रम में तृप्ति शाक्य और मुन्ना पंडित के प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। गायिका तृप्ति शाक्य

कि "कभी राम बनके कभी श्याम बनके चले आना प्रभुजी घर चले आना" और मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना कि "ओढ़नी के रंग पियर जादू चला रहल बा" और दूसरा गाना "मिले खातिर दिल बेकरार काहे होला" को दर्शकों ने खूब सराहा। समय की पाबंदी रहने के कारण सभी कलाकार को एक सीमित समय में ही अपनी प्रस्तुति देनी पड़ी। ऐसे में कोई कलाकार एक, दो और अधिकतम तीन ही गायन की प्रस्तुति दे सके। मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना ने दो गाने की प्रस्तुति देकर खूब वाह वाही बटोरा। वहीं गायिका तृप्ति शाक्य की गायन पर खूब तालियां बजी। कार्यक्रम में वादक संगत टीम में गिटार वादन बादल खान, ऑक्टोपैड वादन रवि, ऑर्गन वादन छोटू और नाल वादन धर्मेन्द्र शामिल थे। कार्यक्रम की उद्घोषिका सह मंच संचालन रूबी खातून और संजय थे। कार्यक्रम के अंत में मुन्ना पंडित उर्फ देवराज मुन्ना को कला संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) देकर सम्मानित किया गया।

अगहन नवमी पर श्री दादीजी मंदिर में भजन संध्या आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। अगहन शुदी नवमी के अवसर पर बैंक रोड स्थित श्री दादीजी मंदिर में आज भजन संध्या आयोजित किया गया। मौके पर दादीजी सेवा न्यास के मुख्य संस्थापक अमर कुमार अग्रवाल ने बताया कि अगहन शुदी नवमी के अवसर पर भजन संध्या का आयोजन किया जाता है। अवसर पर श्री दादीजी का विशेष श्रृंगार किया गया, मेहँदी लगाई गयी तथा पूरे मन्दिर को बहुत हीं आकर्षक ढ़ंग से सजाया गया। इस अवसर सैंकड़ों की संख्याएँ में महिलायें राजस्थानी वेश भूषा में सजधज कर लाल पीली साड़ी , चुनड़ी ओढ़े श्री दादीजी का भजन पाठ किया।

1.धोये - धोये आंगना में , आवो म्हारी दादीजी।

बालकिया बुलावे बेगा , आओ म्हारी दादीजी।।

2.थे ही म्हारी कुलदेवी थारो आधार है ,

मैया आकर सम्भालो थारो परिवार है ,

3.मेंहदी रची थारै हाथां में , घुल रहयो काजल आँख्यां में।

चुनड़ी को रंग सुरंग , माँ राणी सती - माँ राणी सती।

श्री दादीजी का भजन संध्या पूरे धूमधाम से मनाया गया। इस भजन संध्या में शक्तिधाम महिला मंडल की सरोज बंका, रेखा मोदी, शकुंतला अग्रवाल, सरिता बंका, प्रेम लता गोयल, रिमझिम सर्राफ, अनुसुईया खेतान, इंदिरा खंडेलवाल, रेणु बजाज, सीमा माखरिया एवं अन्य द्वारा किये जा रहे इस भजन कीर्तन में भक्ति रस की धारा बह रही थी तथा सभी उपस्थित समुदाय भक्ति रस में डूबे जा रहे थे। आयोजन को सफल बनाने में अमर कुमार अग्रवाल, ओम पोद्दार, रमेश मोदी, निर्मल अग्रवाल , अक्षय अग्रवाल, सूर्य नारायण, रौशन सर्राफ आदि की प्रमुख भूमिका रही।

सेवा निवृत्त जिला न्यायाधीश दिनेश कुमार शर्मा की पुस्तक ("औफ पेटल्स ऐन्ड फ्रैगरेंस इन द फ्लावर औफ जस्टिस") उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के. वि. विश्वनाथन ने होटल ताज सिटी सेंटर, पटना में किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पुस्तक की प्रशंसा करते हुए मुख्य अतिथि जस्टिस विश्वनाथन ने कहा कि एक जिला न्यायालय के जज के अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक कानून के कई आयामों को स्पर्श करती हुई ना सिर्फ समस्याओं को उजागर करती है, ब्लकि उनका समाधान भी प्रस्तुत करती है I पुस्तक को उन सबों के लिए अपरिहार्य बताया जो न्यायापालिका को मजबूत बनाना चाहते हैं। पटना उच्च न्यायालय के जस्टिस आशुतोष कुमार ने कहा कि न्याय में क्वालिटी की प्रतिष्ठा कायम रखने के लिए इस पुस्तक का अध्ययन ज़रूरी होगा। वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने लेखक की विद्वत्ता की प्रसंशा करते हुए भावी पीढ़ी के लिए इस पुस्तक को वरदान बताया I डॉ. फैजान मुस्तफा, कुलपति, चानक्या विधि विश्विद्यालय, पटना, ने कहा कि पुस्तक में कई महत्वपूर्ण प्रश्न उठाये गये हैं जिनकी तरफ ध्यान दिया जाना जरूरी है। लेखक ने कहा कि जीवन के अस्तित्व का प्रमाण चिंतन है और इसी दर्शन के

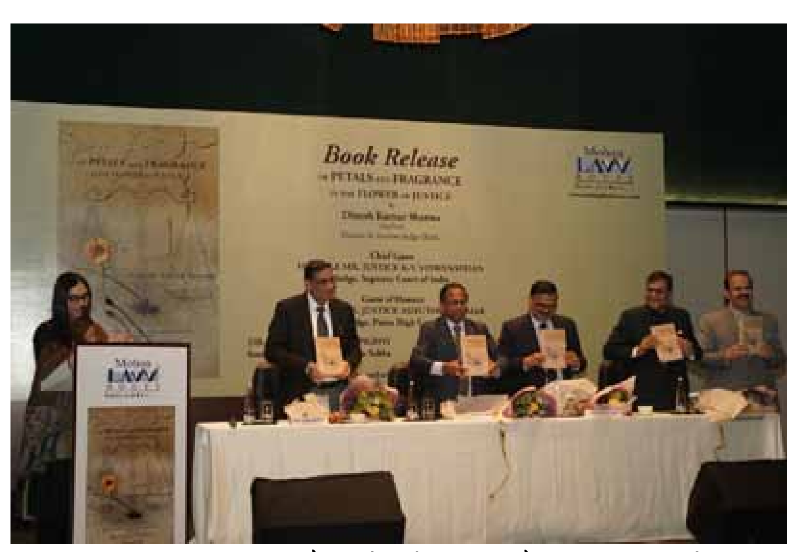

अनुशीलन का परिणाम यह पुस्तक है जिसके विचार अनुभव पर अधारित हैं। लेखक के पुत्र सिद्धार्थ शर्मा, अधिवक्ता, ने आगत अतिथियों का स्वागत किया; अधिवक्ता Fauzia शकील ने संचालन और अधिवक्ता प्रशांत ने धन्यवाद ज्ञापन किया। पटना हाई कोर्ट के न्यायाधीश, अधिवक्ता, और अनेक गण्यमान्य लोग उपस्थित थे।

गंगा देवी महिला महाविद्यालय में महात्मा गांधी पर डिजीटल भाषण कार्यशाला

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। गाँधीयन सोसायटी ट्रस्ट दिल्ली एवं प्रेम यूथ फाउंडेशन, राष्ट्रीय युवा योजना की ओर से महात्मा गांधी जी के व्यक्तित्व पर डिजिटल भाषण प्रतियोगिता को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गंगा देवी महिला महाविद्यालय पटना में किया गया । फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि मोहन से महात्मा तक का सफर दुनिया को प्रभावित कर रहा है । महात्मा गांधी जी के सत्य अहिंसा पर चलकर ही विश्व मे शांति स्थापित किया जा सकता है । साउथ अफ्रीका से रंग भेद के खिलाफ गाँधी जी ने विगुल फूंका और भारत के आजादी में इन्होंने अहम भूमिका निभाई । 1936 से 46 तक सेवा ग्राम वर्धा में रहकर इन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ते रहे । भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय माई भारत के राजयनिदेशक एसपी सिंह ने बताया कि महात्मा गांधी के जीवनी के ऊपर पाँच से सात मिनट का बीडीओ बनाकर अपलोड करें । इसमे कोई उम्र की सीमा नही है । प्रथम पांच लाख, दूसरा तीन लाख,तीसरा दो लाख एवं पचास दस हजार का सांत्वना पुरस्कार रखा गया । सभी शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा । उन्होंने बताया कि बिहार से अधिक से अधिक विडिओ अपलोड कराने का लक्ष्य रखा है ।इसको लेकर नेहरू युवा केन्द्र, विश्व युवक केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना,एनसीसी, युवा मंडल,सर्वोदय मंडल,एनजीओ के साथ सम्पर्क स्थापित किया जा रहा है । कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के एनएसएस ऑफिसर डॉ दीक्षा सिंह ने किया । मौके पर प्रो श्वेता , आर्यन रंजन समेत सैंकड़ो छात्राओं ने भाग लिया ।

स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन" का नारा के साथ रोटरी पटना मिडटाउन और सवेरा कैंसर अस्पताल ने आयोजित किया ज़ुम्बा सत्र

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। रोटरी पटना मिडटाउन और सवेरा कैंसर अस्पताल ने आज सुबह एक ऊर्जावान ज़ुम्बा सत्र का आयोजन किया, जिसमें जाने-माने ट्रेनर श्री धीरज सोनी ने नेतृत्व किया। इस सत्र में सवेरा कैंसर अस्पताल के कर्मचारियों और रोटरी पटना मिडटाउन के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।ज़ुम्बा सत्र के दौरान उपस्थित लोगों ने नृत्य और व्यायाम का आनंद लिया और कार्यक्रम ने सभी को फिटनेस

को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक व्यायाम को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना और एक स्वस्थ एवं रोगमुक्त जीवन जीने के महत्व को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर रोटरी पटना मिडटाउन के अध्यक्ष डॉ. वी.पी. सिंह ने व्यायाम के महत्व पर एक प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा, "नियमित व्यायाम न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति और दीर्घायु में भी सहायक है। व्यस्त जीवनशैली के बावजूद हमें अपने स्वास्थ्य के लिए समय निकालना चाहिए।"

महाप्रबंधक ने उच्चस्तरीय बैठक कर निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह द्वारा आज 09.12.2024 को मुख्यालय, हाजीपुर में एनटीपीसी के अधिकारियों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में थर्मल प्लांट तक कोयला के सुगम परिवहन पर चर्चा की । तत्पश्चात् महाप्रबंधक द्वारा इरकॉन, आरवीएनएल एवं राइट्स द्वारा पूरी की जा रही पूर्व मध्य रेल की विभिन्न निर्माण परियोजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गयी। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री अमरेन्द्र कुमार एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे । बैठक को संबोधित

करते हुये महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार में तेजी लाना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। महाप्रबंधक ने पूर्व मध्य रेल में चल रही निर्माण परियोजनाओं एवं बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े कार्यों की नियमित एवं गहन मॉनिटरिंग का निर्देश दिया ताकि सभी निर्माण कार्य तय समय पर पूरा किया जा सके। महाप्रबंधक ने 92.79 किलोमीटर लंबे सोननगर-गढ़वा रोड थर्ड लाइन एवं नेउरा-दनियांवा नई रेल लाईन (42.2 किमी), जयनगर-बर्दीबास (69 किमी) सहित अन्य रेल परियोजना की कार्य प्रगति की समीक्षा की । उन्होंने किउल-गया दोहरीकरण परियोजना के भी कार्य प्रगति की समीक्षा की। लगभग 123 किलोमीटर लंबे इस परियोजना के शेष बचे नवादा-तिलैया (17.32 किलोमीटर) का कार्य शीघ्र पूरा कर लिए जाने की संभावना है। बैठक में इसके अलावा अन्य परियोजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा हुई ।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

मां श्यामा मंदिर में साप्ताहिक भजन के उपरांत डॉ आनंद मोहन झा के सौजन्य से हुआ भंडारा, महाप्रसाद का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

» मंदिर न्यास समिति के उपाध्यक्ष डॉ जयशंकर एवं न्यासी डॉ संतोष ने भजन के कलाकारों एवं भंडारा-दाता को मंच पर किया सम्मानित

दरभंगा। मिथिलांचल की हृदय नगरी दरभंगा शहर स्थित मां श्यामा मंदिर परिसर में साप्ताहिक भजन एवं भंडारा-महाप्रसाद का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलित कर उपाध्यक्ष प्रो जयशंकर झा ने इस आयोजन का शुभारंभ किया, जिसमें डॉ अशोक कुमार सिंह, डॉ दिलीप कुमार शुक्ला, प्रो उदय शंकर मिश्र, डॉ आर एन चौरसिया, डॉ इन्दुशेखर झा, पंडित महेशकांत झा, डॉ दयानाथ ठाकुर, मंदिर प्रबंधक अमरजीत कारक, अधिवक्ता मुकेश कुमार सिंह, उज्ज्वल कुमार, रंजीत कुमार चौरसिया, प्रशांत कुमार झा, अनुपमा कुमारी, अमित कुमार झा, राजेन्द्र कामती, उत्कर्ष मिश्रा, सुधा नंदन झा सहित दो सौ से अधिक श्यामा भक्त उपस्थित थे। पारस पंकज के नेतृत्व में आयोजित भजन संध्या में पहली बार आकर गौरव झा ने "हे मैया! गजब शहर दरभंगा जेहि मे अहा विराजे न..." तथा चांदनी झा चकोर ने "बाबा लेने चलियो अपन नगरी..."आदि की सराहनीय एवं शानदार प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। श्यामा भक्त भजन-गायन सुनकर भाव विभोर हो गए। वहीं अन्य कलाकारों में विभा झा, सविता झा, दामिनी मिश्रा ने भजन एवं गीत गायन किया, जबकि सुभाष चौधरी, अनुपम मिश्रा, संतोष एवं नीतू कुमारी आदि ने भजन प्रस्तुत किया तथा चंद्रमणि झा ने तबला वादन किया जो भक्तों को खूब पसंद आया। उन्होंने ताली बजाकर कलाकारों का हौसलाअफजाई किया। मां श्यामा मंदिर न्यास समिति के उपाध्यक्ष प्रो जयशंकर झा तथा सदस्य डॉ संतोष पासवान, डॉ आर एन चौरसिया, सुभाष चौधरी, डॉ अशोक कुमार सिंह तथा प्रो उदय शंकर मिश्र आदि ने भजन एवं गीत-गायन के सभी कलाकारों तथा भंडारा- महाप्रसाद में आर्थिक सहयोग करने वाले डॉ आनंद मोहन झा का मां श्यामा की चुनरी तथा श्यामा संदेश स्मारिका आदि से सम्मान किया। डॉ अशोक कुमार सिंह ने भंडारा में आर्थिक सहयोग करने वाले डॉ आनंद मोहन झा के प्रति हार्दिक भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि इससे धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक भावनाओं को बढ़ावा मिलता है। रसायनशास्त्र विषय के लिए बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग, पटना द्वारा सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित एवं एमएलएसएम कॉलेज, दरभंगा में अतिथि शिक्षक के रूप में कार्यरत डॉ आनंद मोहन झा ने कहा कि मैं शुरू से ही श्यामा माय का भक्त रहा हूं और सालों भर मंदिर परिसर आकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव करता हूं। भंडारा में सहयोग कर मुझे काफी खुशी हो रही है। यह आयोजन मन और आत्मा को शांति व संतोष प्रदान कर रहा है। उन्होंने भजन और भंडारे का आयोजन निरंतर होते रहने की कामना करते हुए आग्रह किया कि मां श्यामा के भक्त इसमें निरंतर सहयोग करते रहें। न्यास समिति के उपाध्यक्ष डॉ जयशंकर झा ने भजन एवं भंडारा में भक्तों की लगातार सहभागिता बढ़ते जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इसमें नए-नए कलाकारों को भी मंच दिया जा रहा है, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर पर भी ख्याति प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि भंडारा आयोजन में मां श्यामा ने डॉ आनंद मोहन झा को निमित्त बनाया है। यह बड़े पुण्य का कार्य है। मां श्यामा मंदिर न्यास समिति के सदस्य डॉ संतोष पासवान ने कहा कि संध्या- भजन एवं भंडारा के माध्यम से एक प्रेम पूर्ण वातावरण का निर्माण हो रहा है। यह आयोजन आमलोगों का मंदिर से जुड़ने का एक बेहतरीन माध्यम है। इससे न केवल धार्मिक, बल्कि सामुदायिक एवं सांस्कृतिक भावनाओं को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि भजन एवं भंडारा आयोजन से मानवसेवा एवं परोपकार का भी सुख मिलता है।

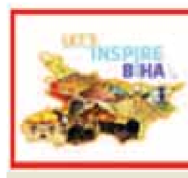

लेट्स इंस्पायर बिहार
राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑर्डिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

बिहार के उत्थान के लिए नैतिक मूल्यों पर चिंतनशील होना होगा

नैतिक मूल्यों में आई गिरावट बिहार के विकास का सबसे बड़ा अवरोध है। बिहार को मज़बूत करने के लिए नैतिक शिक्षा परिवार स्तर पर दिया जाना जरूरी है।

नई सोच एक्सप्रेस

[लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के शुरुआती दिनों से आईपीएस विकास वैभव बिहार में शिक्षा समता और उद्यमिता के विकास लिए लोगों को प्रेरित करते आए है।] आज से तीस चालीस साल पहले भ्रष्टाचार से अर्जित धन का बहिष्कार सबसे पहले घर से होता था। पड़ोसी नाक मुहँ सिकोड़ते नज़र आते थे। नाई की दुकान हो या मिठाई की दुकान सब जगह ऐसे अस्वाभाविक ऐसे अप्राकृतिक ऐसे अपूर्व ऐसे अनुपम ऐसे अद्वितीय ऐसे निराला ऐसे बेजोड़ कार्य के लिए सर्वत्र विरोधाभास के लक्षण नज़र आते थे। लोगों के बीच कनाफुंसी और पीठ पीछे निन्दा आम बात थीं। महिलाओं का जमघट ख़ास तौर से इसी सिलसिले में लगता था। ऐसे कपटी लोगों को देश द्रोहियों की भांति लोग समाज से बहिष्कृत समझते थें। अब तो, घर हो या बाहर पूजा उसी की होती है। जिसके पास धन है। धन कहाँ से आया ? कैसे आया ? इस बात की परवाह किसे रहती है। लोगों का तो बस एक जवाब होता है -किसे फुरसत है। यहाँ तो आम जनमानस को रोज़ी रोटी के लाले पड़े है। बस उसी के जुगाड़ में दिन रात व्यस्त रहते है। मेरे मन में यह विचार दौड़ता है। फुरसत किसे है ? श्रेष्ठजन को ! अमीरों को ! या फिर विदेश में बैठें आकाओं को। सब अपनी तरह से देश को घुमाते रहते हैं। जिसे जो मन में आया किया। कानून बना ! फिर कानून टूटा । भला हो इस देश की नयायपालिका का जिसके दम पर , जिसके सब्सटेंसियल सर्विस पर लोगों का जीवन नारकीय होने से बचा हैं। पर, चिंता का विषय अब यह भी है कि नयायपालिका के तराजू में भी बेईमानों ने निष्ठुरों ने क्रूरों ने निर्दयों ने अपना मतलब साधने हेतु छेद करना शुरू कर दिया हैं। कभी-कभी न्याय धीरे-धीरे उस छेद से टपक पड़ता है और न्याय को इंसाफ नहीं मिल पाता। विश्व में हजारों ऐसे उदहारण मिले हैं। भारत में भी कई उदहारण मिल चुके है अभी कुछ साल ही पूर्व में मुख्य नयायाधीश अल्तमश कबीर के उपर भी पक्षपात करने का इल्जाम लगा था। अब जब, घर की बुनियाद ही कमजोर हो तो अच्छे नयायाधीश बनने शुरुआत कैसे हो ? घर में माता-पिता के अन्दर अगर संकल्प की कमी हो तो फिर एक सभ्य नागरिक की उत्पत्ति कैसे होगी। पूरा विश्व इसका गवाह है कि जो भी महान अथवा विद्वान बने उनके संकल्प और सोच की प्रारम्भिक शिक्षिका उनकी माँ ही थी अथवा पिता थे। बचपन में ही नैतिकता को बच्चों के अन्दर कूट-कूट कर भरने की पहली जिम्मेवारी माता-पिता को हैं। उन्हें झूट न बोलना ,चोरी न करना अथवा दूसरों का समान बिना पूछे न छूना जैसे सच्चे पुरुषार्थ भरने की जिम्मेवारी भी माता-पिता को ही हैं। कहाँ जाता है कि बच्चों को सिगरेट पिने का लत अपने पिता द्वारा छोड़े गए सिगरेट के टुकड़े से होता है। फिर तो, माता-पिता को बहुत संयम से रहना होता हैं। एक संकल्प के साथ जीना होता हैं। आज सम्पूर्ण बिहार में ऐसे अभिभावकों की अत्यंत दुर्लभता हो गई हैं और इन्हीं कारणों से भ्रष्टाचार अपने चरमोत्कर्ष पर हैं शीर्ष पर विराजमान हैं। माता पिता को बचपन से ही अपने बच्चों के अंदर मानवीय संवेदनाओं को जागृत कराने का प्रयास करना चाहिए। परिवार से सीखे नैतिक मूल्यों के आधार पर विकसित युवा ही, अपने कंधे पर राष्ट्र निर्माण के बोझ को ढोने के लिए संकल्पित होता हैं। ऐसे ही नैतिक मूल्यों को जागृत कराने के लिए आईपीएस विकास वैभव ने लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान मंच को चुना है। प्रयास सफ़ल भी हो रहा है। अभियान में सकारात्मक भूमिका निभाने वाले लोगों को जोड़ने में आईपीएस विकास वैभव कामयाब हो गए है। आइए, हम सब मिलकर बिहार को प्रेरित करते हैं। अच्छे संस्कार के साथ युवाओं को अपने बिहार को सुंदर और आकर्षक बनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

महिलाओं पर हिंसा के खिलाफ जागरूकता रैली अभियान

छपरा। इनर व्हील क्लब छपरा की सदस्याओं ने अंतराष्ट्रीय इनर व्हील संगठन से आये ऑरेंज द वर्ल्ड कॉम्पियन अभियान के तहत एक साथ मिलकर महिलाओं पर हो रहे अत्याचार और हिंसा के खिलाफ जागरूकता रैली निकाली और महिलाओं और लड़कियों के लिए हक मांगा। इनर व्हील क्लब छपरा की अध्यक्ष वीणा शरण ने कहा कि हम महिलाओं को समाज के हर क्षेत्र में सुरक्षा चाहिए। हिंसा और अत्याचार रोकने के लिए उठाए गए कदम को बरकरार रखना होगा जब तक वो खत्म ना हो जाए । सरकार,समाज और सभी शिक्षित लोगों को हमारा साथ देना होगा ताकि हम अमन चैन की जिंदगी जी सकें। इस रैली में अध्यक्ष वीणा शरण सचिव अपर्णा मिश्रा, मंजू सिंह, रानी सिन्हा, मधुलिका तिवारी एवं अनुराधा सिन्हा उपस्थित थीं।

छात्र-छात्राओं को मिलेगा योजना का लाभ

पंचदेवरी। पंचदेवरी के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले करीब पांच हजार छात्र-छात्राओं को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का लाभ देने की तैयारी है। इसको लेकर सोमवार को पंचदेवरी बीआरसी में सभी प्रधानाध्यापकों की बैठक आयोजित की गई । बैठक में बीपीएम विकाश कुमार ने बताया कि पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने राशि खर्च की स्वीकृति दी है। छात्रवृति योजना के तहत कक्षा एक से चार के बच्चों को 600 रुपये, पांचवीं एवं छठी कक्षा के बच्चों को 1200 रुपये, सातवीं से 10वीं तक के बच्चों को 1800 रुपये सालाना मिलेंगे। वहीं, छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाले बच्चों को सालाना 3000 रुपये छात्रवृत्ति मिलेगी। बता दें कि यह स्कीम केंद्र सरकार के सहयोग से चलायी जा रही थी। हालांकि, राज्य सरकार ने नये वित्त वर्ष से इस स्कीम को अपने बूते चलाने का फैसला किया है। प्रधानाध्यापक को संबोधित करते हुए जिला समन्वयक विंध्यवासिनी राय ने सभी प्रधानाध्यापकों से अधिक से अधिक छात्र छात्राओं का फॉर्म भरवाने की अपील की । मौके पर बीआरपी ठाकुर धनराज सिंह, अभिषेक कुमार, अमन कुमार, भरत कुशवाहा, प्रधानाध्यापक रज्जाक अंसारी, विरेन्द्र सिंह, दीपक मिश्र, केशव तिवारी, सुनील शर्मा, हरेश पाण्डेय, मिथलेश तिवारी, घनश्याम प्रसाद, शुष्मा तिवारी, जाकिर हुसैन, विनय पाण्डेय, शैलेश कुमार आदि थे ।

शेखपुरा में आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका संघ की हुई बैठक,आंदोलन का हुआ निर्णय,भाकपा ने भी किया समर्थन

शेखपुरा। आंगनबाड़ी सेबका सहायका कर्मचारी पथ स्टेशन रोड शेखपुरा में इंदिरा कुमारी की अध्यक्षता में एवं यूनियन के संरक्षक प्रभात कुमार पांडेय , रमाशंकर सिंह अधिवक्ता, निधीश कुमार गोलू के देखरेख एवं समाजसेवी वाल्मीकि यादव की उपस्थिति में हुआ संपन्न। बैठक में आंगनबाड़ी सेबका सहायिका के नेताओं ने गंभीरता पूर्वक आंगनबाड़ी से जुड़े समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सभी केंद्र पर जो मोबाइल उपलब्ध कराया गया हुआ खराब हो चुका है, नया मोबाइल दिए बगैर काम करना मुश्किल हो रहा है, मोबाइल की रिचार्ज एवं आंगनबाड़ी केंद्र के किराया की बकाया भी लंबित पड़ा है ,गोदभराई, अन्नप्राशन की राशि नहीं मिलने से काफी परेशानी के सामना करना पड़ रहा है। नेताओं ने कहा कि उचित मात्रा में चावल सभी केंद्र पर पहुंचने की गारंटी एवं पोषाहार के कीमत के अनुकूल राशि देने या खरीद कर केंद्र पर पहुंचने की गारंटी करने। मीनू के अनुसार बर्तन उपलब्ध कराने का कष्ट करने, कन्या उत्थान मातृ वंदना और प्रोत्साहन की राशि और मानदेय की बकाया चार महीना से लंबित रहने पर सेबका सहायका बहनों को इस ठंडा के समय में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक में सब सम्मति से निर्णय लिया गया है कि सीडीपीओ डीपीओ और जिलाधिकारी महोदय से प्रतिनिधि मंडल मिलकर मांग पत्र सोफा जाएगा यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आगे आने वाले दिनों में संघर्ष और आंदोलन की रास्ता अपने के लिए सभी आंगनबाड़ी सेविका सहायका बाद होगी। बैठक में रेखा कुमारी, मीरा कुमारी,नीरा कुमारी, कंचन कुमारी कुंदन कुमारी मधु कुमारी स्वीटी कुमारी सुलोचना देवी सुलोचना देवी समेत बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेबिका सहायका उपस्थित थे।

खपत से ज्यादा बिजली बिल भेजने और सुधार नहीं करने के खिलाफ मंगलवार से आमरण अनशन

नई सोच एक्सप्रेस

समस्तीपुर। खपत से ज्यादा बिजली बिल भेजने एवं बार-बार संबंधित अधिकारियों से मिलकर सुधार करने की मांग करने के बाबजूद बिल सुधार नहीं किए जाने के खिलाफ पीड़ित उपभोक्ता जितवारपुर के कन्हैया चौक निवासी दिव्यांग सुरेश ठाकुर मंगलवार से चीनी मिल चौक स्थित विधुत कार्यालय पर अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू करेंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए विधुत सुधार संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक सह भाकपा-माले जिला स्थाई समिति सदस्य सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि पीड़ित उपभोक्ता को कंज्यूमर नंबर 11320006538 पर करीब 78 हजार रूपये का बिल भेजा गया। शिकायती आवेदन देकर सुधार करने की मांग करने पर 26 हजार रूपए जमा करने को कहा गया। जमा कर देने के बाबजूद उसी महीना में फिर 1 हजार एक सौ रूपये का बिल भेजा और उसके बाद लगातार करीब 2 सौ रुपए का बिल आने लगा।बार- बार संबंधित अधिकारियों को सुधार करने की मांग की गई लेकिन मांग को अनसुना कर दिया गया। फलस्वरूप अनशन करने की घोषणा की गई और पीड़ित द्वारा सहयोग मांगने पर भाकपा माले ने सक्रिय समर्थन देने की घोषणा की है। भाकपा माले के प्रखंड सचिव अनील चौधरी एवं कुंदन कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को बैठक कर बड़ी भागीदारी से अनशन आंदोलन को सफल बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि बिल सुधार होने तक आमरण अनशन जारी रहेगा।

फतुहा भाजपा कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

» बच्चों के पेट में कृमि का होम्योपैथिक में कारगर दवा

फतुहा । भाजपा कार्यालय मां तारा उत्सव पैलेस गोविंदपुर फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता फतुहा भाजपा नगर मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा तथा मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। मुख्य अतिथि डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह ने कहां की मनुष्य को बहुत तरह की कृमियां पाई जाती है इसमें अधिकतर कृमि छोटी आंत व को ही आक्रांत करती है जो मांसपेशी, यकृत, फेफड़ा और मस्तिष्क को आक्रांत करती है। बच्चों में अधिकतर चार तरह की कृमियां पाई जाती है। राउंड वर्म, थ्रेड वर्म,हुक बर्म ।1- नींद में भूख अधिक या कम ,कब्जियत दांत किटकिटाना ऐसी अवस्था में दवा का नाम सीना 30 एक बूंद तीन बार रोज।2-सुबह उठने पर कै करने की इच्छा, पेट में तकलीफ जो खाने से आराम मिले, पेट में नाभि के पास दर्द रहने पर स्पाईजेलिया 30 एक बूंद तीन बार रोज।3-अत्यधिक भूख नाभि के चारों तरफ दर्द,पखान के रास्ते में खुजली मुंह से दुर्गंन्ध अंगुली और नाक का खोदना, पीला चेहरा रहने पर ग्रेनेटम 30 एक बूंद तीन बार रोज। 4- नाक खोदना ,पैखान के रास्ते खुजली, रात्रि में चटपटा है ट्यूक्रियम 30 एक बूंद तीन बार रोज।5-दांत किटकिटाना ,नाक में खुजली, बिस्तर पर पेशाब रात्रि में खांसी नींद में छटपटाहट आदि रहने पर -सैन्टोनाइन 30 एक बूंद तीन बार रोज। कोई भी दवाई चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करें इस अवसर पर रेखा शर्मा, अनीता पाटनी,पूजा बेटी, अनामिका पांडे, शोभा पटेल, अंकुश कुमार ,अनीष कुमार, सीमा बेटी, डॉ मनीष बेटी, ममता पटेल अनामिका पटेल आदि शामिल हुए।

एसडीएम अन्य अधिकारीयो ने जीविका भवन,पंचायत सरकार भवन का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली। प्रखंड के उत्तरी सुगांव पंचायत के सुगांव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन को लेकर एडीएम,एसपी स्वर्ण प्रभात एसडीएम श्वेता भारती सहित अन्य अधिकारीयो ने जीविका भवन,पंचायत सरकार भवन का निरीक्षण किया। सुगांव में मुख्यमंत्री का हेलिकाप्टर उतरने के लिए हेली पैड के लिए जगह का जायजा लिया। जीविका भवन में रख रखाव व चल रही कार्यालय को देखा गया। उक्त स्थल पर किसी तरह की कोई दिक्कत नही हो।इसको लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस जगह पर साफ सफाई का निर्देश मुखिया रंजीत झा को दिया गया। विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर थानाध्यक्ष अमित सिंह को निर्देश दिया गया। सूबे में सबसे पहला जीविका भवन का निर्माण उतरी सुगांव पंचायत के सुगांव में हुआ।जिसको लेकर मुखिया को सम्मानित भी किया गया था।मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को ले मुखिया को विस्तृत जानकारी दी गई। हेली पैड बनाने वाले स्थल का निरीक्षण थानाध्यक्ष ने भी किया।अधिकारियों को यह निर्देश दिया गया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के समय किसी तरह की कोई समस्या नही हो।इसके लिए पूर्व से ही पूरी तैयारी कर ली जाय। निरीक्षण के समय नगर आयुक्त, सीओ कुंदन कुमार, पुलिस निरीक्षक अशोक पांडेय,थानाध्यक्ष अमित सिंह,मुखिया रंजीत झा सहित कई मौजूद थे।

ई.सी.जी की सुविधा सदर अस्पताल में उपलब्ध, जिलाधिकारी ने किया उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। जिले वासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए जहानाबाद के सदर अस्पताल में ई.सी.जी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम) सुविधा का शुभारंभ किया गया। इस सुविधा का उद्घाटन जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने किया। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के नागरिकों की मांग थी कि स्थानीय स्तर पर ई.सी. जी की सुविधा उपलब्ध करायी जाये, ताकि मरीजों को अन्यत्र जाने की आवश्यकता न हो। इसको ध्यान में रखते हुए सदर अस्पताल के ओपीडी और इमरजेंसी वार्ड में ई.सी. जी मशीन लगाई गयी है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, खासकर हृदय रोग से संबंधित समस्याओं के निदान में। अब मरीजों को ई.सी.जी जांच के लिये अन्य शहरों में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस मौके पर अस्पताल के कई चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी उपस्थित थे। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और मरीजों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

आजादी के सात दशक बाद भी एक अदद पक्की सड़क के लिए तरस रहें है वजीरगंज के ग्रामीण

नई सोच एक्सप्रेस

वजीरगंज। मुख्यमंत्री ग्रामीण योजना के तहत बिहार सभी टोलों एवं गावों को पक्की सड़क या पीसीसी के माध्यम से मुख्य सड़क से जोड़ने का दावा जा रहा है लेकिन वज़ीरगंज प्रखंड के केनार पहाड़पुर पंचायत अंतर्गत टोठी एवं वज़ीरगंज नगर पंचायत अंतर्गत दखिनगांव के बरौनी गांव तथा बैजनाथपुर को आज तक यहां सुविधा नहीं मिल पायी है| आजादी के सात दशक बाद भी यहाँ के ग्रामीण पक्की सड़क के लिए तरस रहें है| टोठी गांव के ग्रामीण श्रीकांत यादव, अमृत मांझी, अनुज प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, भूषण मांझी, पंकज कुमार, सनोज, कपिल आदि ने बताया कि वे स्थानीय विधायक, मंत्री व जिला के आला अधिकारियों को अपनी व्यथा आवेदन एवं जनप्रतिनिधियों के माध्यम से अर्जी देते आये हैं, लेकिन अभी तक टोठी गांव में सड़क निर्माण नहीं हुआ है। वहीं यमुनापुर से टोठी होते हुए लगभग तीन किलोमीटर फासला पर लकड़ाही आहर होते हुए टोठी पचबहीनी पोखर वाली सड़क को जोड़ दिया जाता है तो यह पथ वजीरगंज-तरवां बाईपास रोड का भी कार्य करेगा और आसपास के गांव रानी टोठी, रूदई, महदेवा, यमुनापुर व वजीरगंज आने के लिये ग्रामीणों को आसानी होगी। ग्रामीण बताते हैं कि सूखे के मौसम में कच्चे रास्ते से किसी प्रकार आवागमन होता है, लेकिन बरसात के समय दोपहिया वाहन भी गांव में नही आ पाता और मरीजों को खाट पर लादकर मुख्य सड़क तक लाया जाता है। यही हाल बरौनी एवं बैजनाथपुर गांव का है, अब बरौनी एवं बैजनाथपुर गांव वजीरगंज नगर पंचायत में शामिल हो चुका है, लेकिन पक्के रास्ते का कोई अता-पता नहीं है । स्थानीय ग्रामीण अब बस सरकारी तंत्र और जनप्रनिधियों को कोस रहे हैं और आस लगाये हैं कि जल्द ही सड़क बन जाय। केनार पहाड़पुर मुखिया पुनिता वैश्यकियार ने बताया कि उक्त रानी टोठी मार्ग को केनारचट्टी रोड से देवी स्थान तक पीसीसी का निर्माण कराया गया है, बाकी बचे पथ का भी पक्कीकरण किया जायगा, लेकिन ग्रामीण सड़क योजना से यमुनापुर तक अभी तक नहीं जोड़ा गया है। आपको बता दे कि टोठी गांव में सड़क निर्माण के लिए पुर्व पशुपालन मंत्री सह विधायक अवधेश कुमार सिंह ने ग्रामीण विकास विभाग को पत्र लिखकर टेंडर करवाया था, उसके बाद कांग्रेस के युवा नेता सह विधायक प्रत्याशी डॉ शशि शेखर सिंह ने टोठी गांव में कुछ दुरी तक मिट्टी भराई का कार्य भी किया गया था, लेकिन उसके बाद यह कार्य ठंढे बस्ते में चला गया |वज़ीरगंज नगर पंचायत के दखिनगांव के बरौनी गांव एवं बैजनाथपुर गांव में भी गांव तक की पक्की सड़क निर्माण के लिए कई वार स्थानीय विधायक एवं जनप्रतिनिधियों के पास आवेदन दिया गया है लेकिन अभी तक सभी स्थानीय जनप्रतिनिधि कुम्भकरनी निद्रा में सोये हुए है।वज़ीरगंज नगर पंचायत में शामिल होने के बाद भी दखिनगांव का बरौनी और बैजनाथपुर गांव आजादी के सात दशक बाद भी एक अदद पक्की सड़क के लिए यहाँ के ग्रामीण तरस रहें हैं |पता नहीं कब कब तक जनप्रतिनिधि कुम्भकरनी निद्रा से जागते है और इसका उद्धार करते हैं |

नीतीश कुमार और विकास एक दूसरे के पर्याय : जदयू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के मुँह से विकास और रोजगार जैसे शब्दों का इस्तेमाल लोगों के बीच हास्यास्पद प्रतिक्रिया को जन्म देता है। उन्हें यह जानना चाहिए कि बिहार में नीतीश कुमार और विकास एक दूसरे के पर्याय हैं। तेजस्वी या राजद के लोग जब भी विकास की बात करते हैं तो वोटरों के जेहन में स्वाभाविक रूप से नीतीश कुमार का चेहरा कौंध जाता है। साथ ही उन्हें याद आता है राजद का पंद्रह वर्षों का घोर जातिवादी और भ्रष्ट शासन। सुशासन किस चिड़िया का नाम है शायद ही राजद के लोगों को पता हो। नीतीश कुमार ने बिहार के मतदाताओं में विकास की ऐसी भूख जगा दी है कि अब कोई उन्हें भ्रमित नहीं कर सकता। जाति, वर्ग और संप्रदाय की सीमाओं से परे जाकर नीतीश कुमार ने सच्चे अर्थों में बिहार में विकास और सुशासन को जमीन पर उतारा है।

संक्षिप्त समाचार

एक्सपेरियन इंडिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार में छोटे व्यवसायों को दिए गए लोन में 118 प्रतिशत की वृद्धि

फिनटेक की इस लोन विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका

पटना। एक नई एक्सपेरियन इंडिया रिपोर्ट के अनुसार, बिहार में 10 लाख तक के व्यापार लोन में 118 प्रतिशत की असाधारण वृद्धि हुई है, जिससे राज्य भारत के छोटे लोन बाजार में अग्रणी बन गया है। एक्सपीरियन इंडिया की इस रिपोर्ट का नाम छोटा है बड़ाः फिनटेक कैसे ऋण व्यवस्था में क्रांति ला रहे हैं जिसमें वित्तीय वर्ष 24 की तुलना में वित्तीय वर्ष 23 के दौरान बिहार की लोन वृद्धि को रेखांकित किया गया है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि फिनटेक आधारित समाधानों के माध्यम से बिहार वित्तीय समावेशन में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। मनीष जैन, कंट्री मैनेजिंग डायरेक्टर, एक्सपेरियन इंडिया ने कहा, भारत में फिनटेक क्रांति अभी शुरू ही हुई है, और इसमें वृद्धि की अपार संभावनाएं हैं। फिनटेक कंपनियों ने उन लोगों को क्रेडिट उपलब्ध कराकर पहले ही बड़ा असर डाला है, जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, लेकिन अभी और काम किया जाना बाकी है। इस श्वेत पत्र में दी गई जानकारी आने वाले अवसरों और चुनौतियों को उजागर करती है। बिहार के व्यक्तिगत लोन बाजार में भी मजबूती से वृद्धि हुई, जहाँ 1 लाख तक के लोन में 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, जो अन्य क्षेत्रों से काफी अधिक है। फिनटेक कंपनियों ने राज्य में व्यक्तिगत और व्यापारिक लोन को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिहार में 47 प्रतिशत लोगों ने 10 लाख तक के व्यापार लोन लिए हैं, और फिनटेक कंपनियों ने 1 लाख तक के व्यक्तिगत लोन बाजार का 44 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया है, जिससे डिजिटल लोन प्लेटफार्मों की बड़ी पहुंच का प्रमाण मिलता है। छोटे लोन में यह वृद्धि बिहार के लोन परिदृश्य को बदल रही है, और नए क्रेडिट लेने वाले व्यक्तियों और छोटे व्यवसायों को महत्वपूर्ण वित्तीय पहुंच प्रदान कर रही है। श्वेत पत्र में खुलासा हुआ है कि फिनटेक कंपनियों ने मार्च 2024 तक देशभर में 2,48,006 करोड़ के व्यक्तिगत ऋण और 28,607 करोड़ के व्यवसायिक ऋण प्रदान किए हैं। ये ऋण, जो अक्सर 50,000 से कम होते हैं, मुख्य रूप से नए क्रेडिट लेने वालों कम क्रेडिट रिकॉर्ड वाले और सब-प्राइम उधारकर्ताओं तक पहुंचे हैं, जिनमें से कई पहले औपचारिक वित्तीय प्रणाली से बाहर थे।

ज़ी स्टूडियोज़ और शक्ति सागर प्रोडक्शंस की 'फ़तेह' वास्तविक और आभासी के बीच की अंतिम लड़ाई को दर्शाती है

पटना। ऐसी दुनिया में जहाँ एक बटन क्लिक करने से अराजकता फैल सकती है, साइबर अपराध की छायाएँ अपने दुश्मन से मिलने वाली हैं! सिनेमाघरों के बाद, आखिरकार इसका डिजिटल टीज़र रिलीज़ हो गया, और यह एक्शन सिनेमा की दुनिया में किसी भूचाल से कम नहीं है। एक के लिए लड़ाई और कई के लिए जीत, फ़तेह एक ऐसी रोमांचक कहानी है जो डिजिटल युग के काले रहस्यों को उजागर करती है, और एक ऐसा तमाशा पेश करती है जो किसी और जैसा नहीं है। लेखक-निर्देशक सोनू सूद की निर्देशन में पहली फ़िल्म, फ़तेह एक पूर्व-विशेष ऑपरेशन ऑपरेटिव के बारे में है, जो एक साइबर अपराध सिंडिकेट की गहराई में उतरता है, और उन अंधेरी ताकतों का पता लगाता है जो एक युवा महिला के एक खतरनाक घोटाले में फंसने के बाद अनगिनत जिंदगियों को अस्थिर करने की धमकी देती हैं। सोनू सूद के निर्देशन में बनी इस फिल्म में हॉलीवुड के शीर्ष तकनीशियनों द्वारा समर्थित हाई-ऑक्टेन एक्शन है, जो शुरू से अंत तक एक मनोरंजक, रोमांचक अनुभव सुनिश्चित करता है। फिल्म की झलकियाँ एड्रेनालाईन से भरपूर सिनेमा को दर्शाती हैं, जिसमें साहसी स्टंट, शानदार साइबर दृश्य और एक ऐसी कहानी है जो साइबर सुरक्षा उल्लंघनों के बढ़ते खतरे को समझने का वादा करती है। सोनू सूद के साथ, इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज, विजय राज और दिग्गज नसीरुद्दीन शाह जैसे बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। सोनू सूद कहते हैं, "पिछले कुछ सालों में दर्शकों से मुझे जो प्यार मिला है, वह असाधारण है और मैं इसी प्यार की उम्मीद कर रहा हूँ क्योंकि फ़तेह का टीज़र आखिरकार रिलीज़ हो गया है। यह फिल्म मेरे लिए बेहद खास है - न केवल इसलिए कि यह एक निर्देशक के रूप में मेरी पहली फिल्म है, बल्कि इसलिए भी कि यह उस खतरनाक खतरे के खिलाफ़ एक आवाज़ है जिसे हममें से कई लोग कम आंकते हैंः साइबर दुनिया की अदृश्य, अंधेरी ताकतें। फिल्म का दिल इसकी अत्याधुनिक एक्शन है जो वास्तविक और आभासी के बीच अंतिम टकराव के साथ खेलती है। यह उन सभी नायकों के लिए है जो उन लड़ाइयों से लड़ने की हिम्मत रखते हैं जिन्हें हममें से कई लोग नहीं देख पाते हैं। सोनाली सूद और उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, फतेह, साहस, लचीलापन और साइबर अपराध के खिलाफ लड़ाई की एक मनोरंजक कहानी है, जिसे 10 जनवरी, 2025 को रिलीज़ किया जाएगा।

महाप्रबंधक ने डीएचआर में विंटेज स्टीम इंजन 'बेबी सेवक' को हरी झंडी दिखाई

कटिहार। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अधीन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे पूरे वर्ष भर दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करता है। इस संबंध में मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने बताया कि इस अद्वितीय चमत्कार को बढ़ावा देने और संरक्षित करने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पू. सी. रेलवे ने सौ साल पुराने विंटेज स्टीम इंजन को पुनर्बहाल किया है, जिसे 'बेबी सेवक' के नाम से जाना जाता है और इसे डीएचआर के कई आकर्षणों में शामिल किया है। इस उल्लेखनीय जीर्णोद्धार प्रयास का अनावरण 07 दिसंबर, 2024 को घूम विंटर फेस्टिवल के दौरान किया गया, जहाँ स्टीम इंजन को आधिकारिक तौर पर पू. सी. रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव ने हरी झंडी दिखाई। 'बेबी सेवक' को अब घूम में गर्व के साथ प्रदर्शित किया गया है, जो पर्यटकों को रेलवे की समृद्ध विरासत से एक मजबूत लगाव प्रदान करता है। वही स्टीम इंजन 'बेबी सेवक' की शुरुआत एक सौ साल से भी पहले जर्मनी के ओरेनस्टीन एंड कोप्पेल के एक कंट्रेक्टर के लोकोमोटिव इंजन के रूप में हुई थी। ऐसा माना जाता है कि डीएचआर की तीस्ता घाटी और किशनगंज शाखाओं के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिसका नाम तीस्ता घाटी लाइन पर स्थित सेवक स्टेशन से पड़ा। दशकों की सेवा के बाद, इंजन 1970 के दशक में सेवा से बाहर हो गया और 1990 के दशक के अंत में सिलीगुड़ी में प्रदर्शित किया गया था। वर्ष 2000 से यह घूम स्टेशन पर एक बाहरी प्रदर्शनी थी, जहाँ यह धीरे-धीरे जीर्ण-शीर्ण हो गई। इसके ऐतिहासिक महत्व को पहचानते हुए, स्टीम इंजन को तिनधरिया कारखाना लाया गया, जहाँ पू. सी. रेलवे के अपने कुशल कर्मचारियों द्वारा काफी बारीकी से जीर्णोद्धार किया, जिससे इसके मूल आकर्षण को संरक्षित करते हुए इसे पुनर्जीवित किया गया। गोरतलब है की 'बेबी सेवक' स्टीम इंजन की बहाली डीएचआर की विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में एक माइलस्टोन है। यह प्रयास न केवल इतिहास के एक मूर्त टुकड़े को संरक्षित करता है, बल्कि अतीत के इंजीनियरिंग चमत्कारों का उत्सव मनाने के लिए एक केंद्र बिंदु के रूप में भी कार्य करता है। घूम में इसका प्रदर्शन पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध करता है।जिससे दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे की अनूठी विरासत की सराहना करने का अवसर मिलता है डीएचआर के निरंतर संरक्षण और प्रोत्साहन को सुनिश्चित करने के लिए, पू. सी. रेलवे सक्रिय रूप से विभिन्न स्टेकधारकों, जिनमें टूर ऑपरेटर, सांस्कृतिक समूह और स्थानीय आबादी शामिल हैं, के साथ जुड़ता है। ये सहयोगी प्रयास इस क्षेत्र के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्य को बढ़ाते हुए विरासत संरक्षण के महत्व पर जोर देते हैं।

"हार्मोनियम का राजा" : बिमल साह

नई सोच एक्सप्रेस

काठमांडू । नेपाल राष्ट्र के एक ऐसे शख्स की जो आज पूरे विश्व में परचम लहराया है। मधेश की भूमि से उभरने वाली कई प्रतिभाएं अपने कौशल और कड़ी मेहनत से नेपाल को गौरवान्वित कर रही हैं। इसी श्रृंखला में आज का लोकप्रिय नाम बिमल साह है। सर्लाही जिले की ईश्वरपुर नगरपालिका-13 , श्रीनगर में जन्मे बिमल साह ने हारमोनियम के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, जिसने उन्हें न केवल नेपाल में बल्कि पूरी दुनिया में प्रसिद्ध कर दिया है। हारमोनियम के रखरखाव, ट्यूनिंग और निर्माण में खुद को स्थापित करने के बाद, बिमल को काठमांडू के संगीत परिधि में "डॉक्टर ऑफ हार्मोनियम" के रूप में जाना जाता है। नेपाली संगीत के प्रसिद्ध गायक और संगीतकार हारमोनियम में समस्याओं का सामना करने पर बिमल की तलाश करते हैं। उन्हें यह अनूठी प्रसिद्धि उनकी कड़ी मेहनत और कौशल के कारण मिली। बिमल साह का नाम हाल ही में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में दुनिया के पहले हारमोनियम डिजिटल ट्यूनिंग विशेषज्ञ के रूप में दर्ज किया गया है। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने नेपाल और मधेश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊंचा किया है। इस अवसर पर उन्हें कई राजनीतिक और सांस्कृतिक हस्तियों ने बधाई दी है, जिनमें आजपा के अध्यक्ष प्रभु साह और जनमत के अध्यक्ष डॉ. सिके राउत भी वहाँ हैं। 2013 में 30,000 रुपये के निवेश से काठमांडू में एक छोटी हारमोनियम मरम्मत की दुकान खोलने वाले बिमल की यात्रा प्रेरणादायक है। एक छोटे से निवेश और बड़े सपनों से शुरू हुई यह यात्रा अब तीन गोदामों तक फैल गई है। उन्होंने सरल रखरखाव से शुरू करके हारमोनियम की डिजिटल ट्यूनिंग तकनीक में एक रिकॉर्ड बनाया है। बिमल का अपना हार्मोनियम ब्रांड भी है बिमल ब्रान्ड, जिसकी मांग लगातार बढ़ रही है। बिमल से सेवा प्राप्त करने के लिए कलाकारों को महीनों तक इंतजार करना पड़ता है। हारमोनियम की धुनों में उनके ज्ञान और प्रवीणता ने उन्हें "हार्मोनियम का राजा" बना दिया है। बिमल साह नेपाल और भारत के प्रसिद्ध कलाकारों की पहली पसंद बनने में सफल रहे हैं। बिमल ने शंभूजीत बंस्कोटा, रामकृष्ण ढाकल, कुंती मोक्तन, दीप श्रेष्ठ , शिव परियार, प्रमोद खरेल, राजेशपायल राई, और अंजू पंत जैसे नेपाली कलाकारों के हारमोनियमों को ट्यून किया है। बिमल ने हारमोनियम ट्यूनिंग के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक की शुरुआत करके एक नए युग की शुरुआत की है। हालाँकि वे एक साधारण जीवन शैली जीते हैं, लेकिन संगीत में उनकी क्रांति ने माधेश और नेपाल को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर ऊँचा किया है। हारमोनियम पर सूर और बेसर को आसानी से अलग करने की उनकी क्षमता वास्तव में अद्वितीय है। बिमल साह अपनी कड़ी मेहनत और कौशल से मधेश और नेपाल को पूरी दुनिया में पहचान दिलाने में सफल रहे हैं। यह उपलब्धि कड़ी मेहनत, धैर्य और दृढ़ता का एक उदाहरण है कि कुछ भी असंभव नहीं है।

फिल्म 'पुष्पा' से प्रेरित कल्याण के आभूषण को रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर किया जारी

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई। भारत के सबसे भरोसेमंद और प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांडों में से एक कल्याण ज्वैलर्स ने चर्चित फिल्म 'पुष्पा' से प्रेरित आभूषणों का लिमिटेड एडिशन वाला 'पुष्पा' कलेक्शन पेश किया है। 'पुष्पा 2' की रिलीज से ठीक पहले जारी इस कलेक्शन में आभूषण प्रेमियों को मिलते हैं बोल्ड, उत्तम डिजाइन वाले बेमिसाल गहने। 'पुष्पा 2' की नायिका रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर इस संग्रह को जारी किया,जहां उन्होंने फिल्म से प्रेरित ज्वैलरी लाइन के बारे में अपनी उत्सुकता को साझा किया। सोने में तैयार और अनकट डायमण्ड, मदर-ऑफ-पर्ल और अर्ध-कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ, पुष्पा संग्रह दरअसल प्रकृति की सुंदरता को एक अलग ही अंदाज़ में प्रस्तुत करता है। संग्रह का प्रत्येक आभूषण कल्याण ज्वैलर्स की उत्कृष्ट कृतियों को बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ये ऐसे आभूषण हैं, जिन्हें कारीगरी का बेमिसाल नमूना कहा जा सकता है। कल्याण ज्वैलर्स के चुनिंदा शोरूम पर विशेष रूप से उपलब्ध, पुष्पा कलेक्शन उन लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपने जुनून को गर्व के साथ धारण करते हैं। चाहे कोई खास अवसर हो या रोज़ाना पहनने के लिए, ये पीस फिल्म की भावना को दर्शाते हैं, जो उन्हें किसी भी आभूषण प्रेमी के कलेक्शन के लिए एकदम सही बनाते हैं।

इनडीड - नैसकॉम ने फ्यूचर ऑफ वर्क 2024 रिपोर्ट पेश की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भविष्य की नौकरियों, कार्यबल और कार्यस्थल का विश्लेषण करने के लिए इनडीड और नैसकॉम ने इनडीड की फ्लैगशिप ईवेंट, फ्यूचर वर्कर्स 2024 में अपनी फ्यूचर ऑफ वर्क रिपोर्ट - बैलेंसिंग प्रायोरिटीज़ इन एन एआई - ड्राईवन वर्ल्ड का चौथा संस्करण पेश किया है। इस रिपोर्ट में नौकरी बाजार के मुख्य ट्रेंड्स तथा नियुक्ति में एआई की भूमिका के मुख्य ट्रेंड्स के बारे में बताया गया है और नियुक्ति प्रक्रियाओं के सरलीकरण व मानवीकरण तथा उनमें तेजी लाने के लिए अपडेट प्रदान किया गया है। इनडीड इंडिया के हेड ऑफ सेल्सए शशि कुमार ने कहा कि इनडीड और नैसकॉम काम के भविष्य के बारे में बातचीत को स्पष्ट बनाने और महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए एक साथ आए हैं। यह साझेदारी अपस्किलिंग, हाईब्रिड मॉडल अपनाने और ऑटोमेशन के लिए अनुकूलित होने का महत्व प्रदर्शित करती है। लगभग 70 प्रतिशत उत्तरदाता वास्तविक व्यवस्था में नई स्किल्स के लिए आवेदन करने के लिए उत्सुक हैं। इसलिए यह रिपोर्ट संगठनों द्वारा मौजूदा तैयारी और भविष्य की मांगों के बीच का अंतर दूर करने की जरूरत पर जोर देती है। संगीता गुप्ता, सीनियर वाईस प्रेसिडेंट एवं चीफ स्ट्रेट्जी ऑफिसर, नैसकॉम ने कहा, टेक्नोलॉजी, मुख्यतः एआई और एमएल में हुई प्रगति नौकरी के बाजार में भी परिवर्तन ला रही है तथा टेक्नोलॉजिकल विशेषज्ञता एवं एनालिटिकल या सॉफ्ट स्किल्स सहित आवश्यक स्किल्स को आकार दे रही है। टेक्नोलॉजी कंपनियों को ऐसी नीतियों और प्रक्रियाओं का क्रियान्वयन करने की आवश्यकता है जो न केवल बदलते परिदृश्य के अनुरूप हों बल्कि कार्यबल के लगातार होते विकास के अनुकूल भी हों।

इन्वेन्चरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम

नई सोच एक्सप्रेस

» गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024 को खुलेगा

पटना। इन्वेन्चरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड ("कंपनी") का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024 को खुलेगा। एंकर निवेशक बोली तिथि बोली/ऑफ़र खोलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले है, जो बुधवार, 11 दिसंबर, 2024 है। बोली/ऑफ़र बंद होने की तिथि सोमवार, 16 दिसंबर, 2024 है। ऑफ़र का प्राइस बैंड 1,265 प्रति इक्विटी शेयर से 1,329 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 11 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 11 इक्विटी शेयरों के गुणकों के लिए बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। ऑफ़र में इन्वेन्चरस नॉलेज सॉल्यूशंस लिमिटेड के 1 अंकित मूल्य के 18,795,510 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ऑफर फॉर सेल) शामिल है। बिक्री के लिए प्रस्ताव में शामिल हैं -- आर्यमान झुनझुनवाला विवेकाधीन ट्रस्ट द्वारा 1,119,300 इक्विटी शेयर तक, आर्यवीर झुनझुनवाला विवेकाधीन ट्रस्ट द्वारा 1,119,300 इक्विटी शेयर, निष्ठा झुनझुनवाला विवेकाधीन ट्रस्ट ("प्रवर्तक विक्रय शेयरधारक") द्वारा 1,119,300 इक्विटी शेयर, आशरा फैमिली ट्रस्ट द्वारा 3,376,311 इक्विटी शेयर, राजेशकुमार राधेश्याम झुनझुनवाला ("प्रवर्तक समूह विक्रय शेयरधारक") द्वारा 26,513 इक्विटी शेयर, अधीत शरद गोगटे द्वारा 98,250 इक्विटी शेयर, अजय माधवन मदतिपरम्बिल द्वारा 139,042 इक्विटी शेयर, अजीत राजगोपाल मेनन द्वारा 72,051 इक्विटी शेयर, एलन द्वारा 104,281 इक्विटी शेयर, अंकुर चुघ द्वारा 69,521 इक्विटी शेयर, अनुराग श्यामसुंदरलाल शर्मा द्वारा 323,572 इक्विटी शेयर, अरिंद्रजीत दत्ता द्वारा 49,126 इक्विटी शेयर, अशित कालरा द्वारा 83,425 इक्विटी शेयर, बर्जिस मीनू देसाई द्वारा 676,549 इक्विटी शेयर, चार्ल्स एडवर्ड ब्राउन द्वारा 5,297 इक्विटी शेयर, क्रिस्टोफर जे स्क्लेफनी द्वारा 101,799 इक्विटी शेयर, क्लेरेंस कार्लटन किंग द्वितीय द्वारा 47,035 इक्विटी शेयर, गौरव जैन द्वारा 33,406 इक्विटी शेयर, गौतम चार द्वारा 1,251,378 इक्विटी शेयर, जेफरी फिलिप फ्रीमार्क द्वारा 1,141,001 इक्विटी शेयर, जॉन बेनार्डेलो द्वारा 86,901 इक्विटी शेयर, जोसेफ बेनार्डेलो द्वारा 3,041,812 इक्विटी शेयर, के सी निशिल कुमार द्वारा 232,341 इक्विटी शेयर, करीन रिबेरो मजमुदार द्वारा 49,126 इक्विटी शेयर, कैथरीन निकोल डेविस द्वारा 266,781 इक्विटी शेयर, मदतिपरम्बिल कृष्णन माधवन द्वारा 130,594 इक्विटी शेयर, मनीष गुप्ता द्वारा 55,617 इक्विटी शेयर, मनु महमूद परपिया (लिन मनु परपिया के साथ संयुक्त रूप से धारित) द्वारा 166,850 इक्विटी शेयर, मयूर प्रवीणकांत संघवी द्वारा 61,290 इक्विटी शेयर, मितुल दीपक ठक्कर द्वारा 219,170 इक्विटी शेयर, निखिल शर्मा द्वारा 3,000 इक्विटी शेयर, परमिंदर बोलिना द्वारा 1,251,378 इक्विटी शेयर, पैट्रिक बर्टन क्लाइन द्वारा 257,873 इक्विटी शेयर, संजीव भूपेंद्र गांधी द्वारा 47,815 इक्विटी शेयर, स्कॉट डी हेवर्थ द्वारा 652,008 इक्विटी शेयर, शेन ह्सिंग पेंग द्वारा 994,233 इक्विटी शेयर, श्रीकांत वडकापुरापु द्वारा 15,000 इक्विटी शेयर, उन्नीकृष्णन पार्थसारथी द्वारा 208,563 इक्विटी शेयर, वरदराजन रामासामी द्वारा 34,760 इक्विटी शेयर और विक्रमजीत सिंह छतवाल द्वारा 63,941 इक्विटी शेयर तक ("व्यक्तिगत विक्रय शेयरधारक", प्रमोटर विक्रय शेयरधारक और प्रमोटर समूह विक्रय शेयरधारक, "विक्रय शेयरधारक") ("बिक्री के लिए प्रस्ताव" या "प्रस्ताव")। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जे एम फाइनेंशियल लिमिटेड, जे पी मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

महा प्रबंधक प्रभारीअरूपानंदन नायक के कठिन परिश्रम एवं सूझबूझ सेराजमहल परियोजना में कोयले का रिकॉर्ड उत्पादन

नई सोच एक्सप्रेस

गोड्डा। ईसीएल राजमहल परियोजना में कोयले का उत्पादन के क्षेत्र में अपने पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है स्पष्ट है कि यह प्रबंधकीय क्षमता कठिन परिश्रम गहन सूझबूझ एवं लगन का प्रतिफल है यूं तो कोयला उत्पादन के दौरान विभिन्न तरह की बाधा ए यथा भूमि अधिग्रहण की समस्या विस्थापितों की पुनर्वास की समस्या सामाजिक आंदोलन का शिकार तथा कानूनी प्रावधान की समस्याएं आती रही इसके बावजूद भी कोयले का उत्पादन एवं डिस्पैच तथा ओवर बर्डन इत्यादि के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ाना जो कर्मठ व्यक्तित्व को दर्शाता है स्पष्ट है कि पूरे टीम के द्वारा संचालित करने वाले महाप्रबंधक प्रभारी श्री अरूपानंद नायक के द्वारा यह कीर्तिमान स्थापित किया गया ज्ञात हो कि श्री नायक जो एक कुशल प्रशासक अनुभवी लग्नशील एवं कर्मठ व्यक्तित्व वाले छवि के हैं जो कामगारों एवं प्रबंधन के बीच सामंजस्य स्थापित कर अपने लक्ष्य की दिशा में लगातार आगे बढ़ते रहे जब से श्री नायक का परियोजना में योगदान हुआ तब से विभिन्न श्रमिक संगठनों के साथ-साथ भूवि स्थापित के साथ

सामंजस्य स्थापितकरते हुए कोयले के उत्पादन के दिशा में लगातार वृद्धि होती रही

टीवीएस एनटीओआरक्यू ने गोल्डन क्वाड्रीलेटरल एडवेंचर के साथ बनाए नए रिकॉर्ड

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। टीवीएस एनटीओआरक्यू ने प्रतिष्ठित गोल्डन क्वाड्रीलेटरल अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने की घोषणा की है, इस बार पिछले रिकॉर्ड की तुलना में 17 घण्टे की कम अवधि में यह रिकॉर्ड बनाया गया है। 143 घण्टे में 5818 किलोमीटर की दूरी तय करना स्कूटर की बेजोड़ इंजीनियरिंग, परफोर्मेन्स और प्रत्यास्थता को दर्शाता है। टीवीएस रेसिंग की जोड़ी सैयद आसिफ अली और शमीम खान ने इस उपलब्धि का नेतृत्व किया और भारत के सबसे प्रख्यात राजमार्ग नेटवर्क पर इतिहास रच दिया है। श्री अनिरुद्ध हल्दर, सीनियर वाईस प्रेज़ीडेन्ट- हैड कम्प्यूटर बिज़नेस एवं हैड कॉर्पोरेट ब्राण्ड एण्ड मीडिया, टीवीएस मोटर कंपनी ने कहा,

गोल्डन क्वाड्रीलेटरल की यह यात्रा टीवीएस एनटीओआरक्यू की क्षमता और साहसिक भावना को दर्षाती है। टीवीएस के रेसर्स ने इस अभियान का नेतृत्व किया, हमें खुशी है कि टीवीएस एनटीओरआक्यू राइडरों के लिए सही मायनों में गेम चेंजर साबित हुआ। यह उपलब्धि न सिर्फ स्कूटर की बेजोड़ विष्वसनीयता, परफोर्मेन्स और डिज़ाइन को दर्षाती है, बल्कि मोबिलिटी का रोमांचक एवं बहुमुखी अनुभव प्रदान करने की टीवीएस मोटर की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करती है। टीम ने रिकॉर्ड समय में सफलापूर्वक गोल्डन क्वाड्रीलेटरल पूरा किया और परफोर्मेन्स के नए बेंचमार्क स्थापित किए हैं। टीवीएस एनटीओआरक्यू को राइडरों को प्रेरित एवं सषक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। अभियान की शुरूआत 23 नवम्बर 2024 को मुंबई में हुई, जिसने सभी मुख्य शहरों जैसे दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, कानपुर, वाराणसी, भुवनेश्वर, विजयवाड़ा और वायज़ाग को कनेक्ट किया। मौसम की परिस्थितियों, विभिन्न इलाकों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से गुज़रते हुए टीवीएस एनटीओआरक्यू ने सामान्य से तकरीबन 10 फीसदी अधिक औसत स्पीड बनाए रखने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। यह उल्लेखनीय उपलब्धि स्कूटर की अनुकूलनषीलता, स्थायित्व और आधुनिक इनोवेशन को दर्शाती है।

पद्मश्री अनूप जलोटा, जसपिंदर नरूला 7वें मूनव्हाइट फिल्म्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के अवार्ड फंक्शन में शामिल

नई सोच एक्सप्रेस

मुम्बई। मुम्बई में आयोजित 7वें मूनव्हाइट फिल्म्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2024 के पुरुस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भजन सम्राट अनूप जलोटा, जसपिंदर नरूला, दलजीत कौर सहित कई हस्तियां शामिल हुईं। सभी ने देवाशीष सरगम राज को बधाई और शुभकामनाएं दीं। अनूप जलोटा, जसपिंदर नरूला, दिलराज कौर और पंडित सुवाषित राज ने यहां अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। देवाशीष सरगम राज सहित सभी मेहमानों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। फिर इस फेस्टिवल की 7 साल की जर्नी दिखाई गई। गेस्ट्स में दयाशंकर, सोनम अरोड़ा, जावेद हैदर सहित कई हस्तियां उपस्थित रहीं।गायक संजय शांगलु ने गणपती वंदना से प्रोग्राम की शुरुआत की। जमसाज़ बैंड की परफॉर्मेंस भी पसन्द आई। शार्ट फ़िल्म हुनर को कई अवार्ड मिले जिनमें बेस्ट डायरेक्टर सुजय मुखर्जी, बेस्ट एक्टर रोहित बोस राय, बेस्ट ऐक्ट्रेस मधुरिमा तुली, जावेद हैदर, बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट विधान शर्मा को ट्रॉफी और सर्टिफिकेट से नवाजा गया। मुम्बई के मुक्ति ऑडिटोरियम में भव्य रूप से आयोजित इस कार्यक्रम को अनूप जलोटा के सहयोग से एसबीआई सिक्युरिटीज ने प्रेजेंट किया था जबकि महाराष्ट्र टूरिज़्म भी को-स्पॉन्सर था। इस अवसर पर गायक सुहर्ष राज के म्युज़िक वीडियो "काफ़िर दीवाना" का पोस्टर भी अनूप जलोटा और जसपिंद्र नरुला सहित सभी मेहमानों ने लांच किया। शिप्रा राज द्वारा निर्मित इस सॉन्ग के कम्पोज़र और डायरेक्टर देवाशीष सरगम राज, गीतकार कुमार, म्युज़िक प्रोड्यूसर गौरव सिंह हैं। सुहर्ष राज ने इस म्युज़िक वीडियो में अभिनय भी किया है जो जल्द रिलीज़ किया जाएगा। सुहर्ष राज ने स्टेज पर गाने की कुछ लाइन गाकर सबको दीवाना बना दिया। अनूप जलोटा और जसपिंदर नरूला ने सुहर्ष राज की आवाज़ की बड़ी प्रशंसा की और उन्हें एक नए सितारे का आगमन बताया। बता दें कि मुम्बई के आइनॉक्स थिएटर में हुए 7वें मूनवाइट फिल्म्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्ट 2024 में कई एनिमेशन फिल्मों और शार्ट फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई जिनमें बाहुबलीः क्राउन ऑफ ब्लड सीजन 1 उल्लेखनीय है। द लीजेंड ऑफ हनुमान सीजन 4 के निर्माता शरद देवराजन, जीवन जे कांग और मकबूल शेख हैं, जो हॉटस्टार पे ट्रेंड कर रही है। फीचर फिल्म 'जया' की स्क्रीनिंग भी हुई जिसमें अभिनेत्री माही श्रीवास्तव ने मुख्य भूमिका निभाई है। देवाशीष सरगम (राज) ने कहा कि ये सातवां वर्ष भी बहुत सफल रहा। अनूप जलोटा जी को मैं अपना भगवान, गॉडफ़ादार मानता हूं। अनूप जी की वजह से ही मैं आज इस मुकाम पर हूँ। जसपिंदर नरूला मुझे मां की तरह गाइड करती हैं। मैं एसबीआई सिक्युरिटीज और महाराष्ट्र टूरिज़्म जैसे स्पॉन्सर्स का आभार प्रकट करता हूँ, जिनकी वजह से हम यह सब कर पाए हैं। पद्मश्री अनूप जलोटा ने कहा कि देवाशीष के नाम में सरगम है। इसलिए वह बहुत सुरीले और सुलझे हुए काम करते हैं। उनके वर्क में शिद्दत, मेहनत और काम के प्रति लगन दिखाई देती है। जसपिंदर नरूला ने कहा कि देवाशीष सरगम राज ने इस फेस्टिवल को बहुत बड़ा बना दिया है। ऐसे कार्यक्रम के आयोजन में अनूप जलोटा का और मेरा उन्हें पूरा सहयोग मिलता रहा है, उनके मातापिता का आशीर्वाद भी है। लोकप्रिय ज्योतिष एवं ज्यूरी मेंबर पंडित सुवाषित राज ने कहा कि मून व्हाइट फिल्म्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सातवें वर्ष के लक्की अंक में प्रवेश कर गया है। 8वां साल और भी भाग्यशाली होने वाला है। शार्ट फिल्मों को आगे बढ़ाने में देवाशीष लगे हुए हैं। सुहर्ष राज ने अपने गीत से सिद्ध किया है कि एक नए सितारे की शुरुआत हो रही है।

आजादी के दशकों बाद भी देश की सड़कों के हाल बेहाल

जब भी कभी हम विदेशों की सड़कें और राजमार्गों पर फर्राटे से दौड़तीं गाड़ियों को देखते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि हमारे देश में ऐसे दृश्य कब दिखेंगे। आजादी के इतने दशकों बाद भी हमारे देश की सड़कों के हाल बेहाल है। राजनैतिक दल सत्ता में आते-जाते रहते हैं पर इन बुनियादी सुविधाओं पर किसी भी दल का ध्यान नहीं जाता, लेकिन बीते कुछ वर्षो में सड़कों व राजमार्गों के बनने में तेजी अवश्य आई है। वो अलग बात है कि चुनावी घोषणाओं के दबाव में और जल्दबाजी में इन सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता। राजनैतिक दल कोई भी हो राजमार्ग बनाने की जल्दी में किसी ने भी राजमार्गों पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए, जबकि विदेशों में राजमार्गों पर होने वाले हादसों के प्रति वहां की सरकारी और नागरिक काफी संवेदनशील हैं। दो वर्ष पहले जब मशहूर उद्योगपति साइरस मिस्त्री की एक सड़क हादसे में मृत्यु हुई थी तो सड़क नियमों को लेकर काफी चर्चा हुई। इस हादसे के पीछे कई कारण बताए गए, जैसे की तेज गति, हादसे की जगह सड़क का कम चौड़ा होना, आदि। परंतु बुनियादी सवाल यह है कि किसी अमीर व्यक्ति द्वारा चलाई जाने वाली महंगी लग्जरी कार हो या किसी मामूली ट्रक या बस ड्राइवर द्वारा चलाए जाने वाला साधारण वाहन, क्या वाहन चलाने वाले और परिवहन नियम लागू करने वाले अपने-अपने काम के प्रति जिम्मेदार हैं? क्या ये कहना गलत नहीं होगा कि हमारे देश में सड़क सुरक्षा और परिवहन के नियम और कानून दोनों ही काफी लचर हैं। यही कारण है कि भारत में सड़क दुर्घटनाएं और देशों की तुलना में काफी ज्यादा होती हैं? यदि कानून की बात करें तो हमारे देश के कानून इतने लचर हैं कि सड़क दुर्घटना में यदि किसी की मृत्यु भी हो जाती है तो वाहन चालक को बड़ी आसानी से जमानत भी मिल जाती है। ज्यादातर ट्रक व बस ड्राइवरों को भी इस बात का पता है कि उन्हें कड़ी सजा नहीं मिलेगी। सड़क नियम और कानून को सख्ती से लागू करने की जिम्मेदारी केवल ट्रैफिक पुलिस की नहीं होनी चाहिए। इनको लागू करने के लिए समय-समय पर जागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए। होता यह है कि देश भर में सड़क व यातायात नियमों के लिए केवल साल में एक ही बार ऐसे अभियान चलाए जाते हैं। यदि ऐसे जागरूकता अभियान महीने में एक बार चलाए जाएं तो ड्राइवरों और आम जनता के बीच जानकारी सही से पहुंचेगी। वे जागरूक होंगे और नियम तोडऩे से पहले कई बार सोचेंगे। इसके साथ ही कानून में भी कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए जिससे कि सभी के बीच एक संदेश जाए कि यदि सड़क और यातायात नियमों को अनदेखा किया या उन्हें तोड़ा तो उसका परिणाम महंगा पड़ेगा। कड़े कानून लागू होने की बात करें तो होता यह है कि कई सड़कों पर और राजमागरे पर कुछ निर्धारित स्थानों पर स्पीड चेक करने वाले कैमरे लगे होते हैं। इनकी जानकारी वहां से नियमित रूप से निकालने वाले ड्राइवरों को पहले से ही होती है। इसलिए वे उस जगह पर अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं। ऐसे में दुर्घटनाएं टल तो जाती हैं परंतु जैसे ही वो कैमरे की दृष्टि से दूर होते हैं, वैसे ही गाड़ी के एक्सलेरेटर को जोर से दबा देते हैं। मतलब यह हुआ कि केवल चालान से बचने की नीयत से ही वे गाड़ी को निर्धारित गति से चलाते हैं, जबकि यह तथ्य जगज़ाहिर है कि यदि आप अपनी गाड़ी को नियंत्रित गति से चलाते हैं तो न सिर्फ दुर्घटना टलती है बल्कि ईंधन भी कम खर्च होता है। सरकार और ट्रैफिक पुलिस को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि जो कैमरे तेज रफ्तार से चलने वाली गाडिय़ों का चालान करते हैं, उनसे अधिक काम भी लिया जा सकता है। स्पीड कैमरे की तकनीक की बात करें तो उसमें लगे रेडार से एक सिग्नल जाता है जो केवल तेज रफ्तार से चलने वाली गाड़ी की ही फोटो खींचते हैं। यदि इसी तकनीक में थोड़ा सा सुधार किया जाए तो वही कैमरा कई ट्रैफिक उल्लंघनों की फोटो भी खींच सकता है। ये सब बातें मैं इसलिए कह रहा हूं कि जब आज से कुछ वर्ष पहले मैं लंदन की यात्रा पर था तो वहां मेरे स्थानीय मित्र ने गाड़ी को राजमार्ग पर लाने से पहले चश्मा लगा लिया। मेरे पूछने पर उन्होंने बताया कि, 'मेरी गाड़ी और ड्राइविंग लाइसेंस पर जो फोटो लगी है उसमें मैंने मामूली नंबर का नजर का चश्मा पहना हुआ है। यदि मैं बिना चश्मे के गाड़ी चलाऊंगा तो मेरा चालान हो जाएगा।' उनका मतलब यह था कि जगह-जगह लगे कैमरे हर पहलू को पकड़ लेते हैं। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में एक से बढक़र एक गुणवत्ता वाले कैमरे उपलब्ध हैं जो इन सभी पहलुओं को पकड़ सकते हैं। जरूरत केवल सही सोच और पहल करने की इच्छा की है। देखना यह है कि हमारे देश में ऐसे बदलाव कब होंगे? केवल चुनावी घोषणाओं के चलते नये-नये राजमार्ग खोलने से कुछ नहीं होगा। सड़क और यातायात नियमों को सख्ती से लागू भी किया जाए। शायद तभी हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आए।

तेजी से बढ़ी महंगाई

महंगाई और सामान्य आमदनी ना बढऩे से ग्रस्त भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे पहली चोट 50,000 रुपये मासिक से कम आय वाले परिवारों पर पड़ी। अब 50 हजार से एक लाख रुपए आमदनी के बीच वाले परिवार प्रभावित हो रहे हैं। बाजार की एजेंसियां जब मध्य वर्ग के ह्रास की बातें करने लगें, तो समझा जा सकता है कि आर्थिक संकट कितना गहरा हो चुका है। मध्य वर्ग किसी अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है। यही तबका है, जिसके उपभोग की आकांक्षाएं लगातार बढ़ रही होती हैं। मध्य वर्ग का आकार बढ़ रहा हो, तो अर्थव्यवस्था में मांग, निवेश, उत्पादन और वितरण का चक्र स्वाभाविक रूप से तेज होता जाता है। यह आर्थिक विकास का वास्तविक पैमाना है। मगर भारत में कहानी पलट चुकी है। सबसे पहले इससे छोटी कारों आदि जैसी टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुएं बनाने वाली कंपनियां प्रभावित नजर आईं। फिर रोजमर्रा के उपभोग की वस्तुओं की उत्पादक कंपनियों के अधिकारी कहते सुने गए कि भारत में जो मध्य वर्ग होता था, वह सिकुड़ रहा है, जिससे कंपनियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। फिर वित्तीय अखबारों में इसकी पड़ताल करते हुए लंबी रिपोर्टें छपने लगीं कि आखिर मध्य वर्ग को हुआ क्या है। इनमें भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों का उल्लेख कर बताया गया कि सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में घरेलू बचत का अनुपात 50 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। कारण अनसिक्योर्ड ऋण की मात्रा का बढऩा है, जिसे चुकाने की जद्दोजहद में बचत के लिए कुछ बचता ही नहीं है। अब मार्केट एजेंसियां इस पर रिपोर्ट जारी कर रही हैं। ताजा रिपोर्ट मार्सेलस इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स की आई है। उसके मुताबिक पहले रूटीन नौकरियां मध्य वर्ग का आधार थीं, लेकिन ऑटोमेशन एवं नई तकनीक के उपयोग के कारण ये तेजी से खत्म हो रही हैं।

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें एवं मुश्किलें

आरती कुमारी

विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है। निश्चित रूप से कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है। महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने

अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं। इसी तरह, दिल्ली में आप और कांग्रेस में गठजोड़ नहीं है। यह कैसा गठबंधन है, जिसमें इतने अंतर्विरोध एवं असहमतियां हों। जहां पार्टियां आम चुनाव में साथ हों, लेकिन राज्यों के चुनाव में आमने-सामने। ऐसे में इन दलों के समर्थकों की उलझन की सहज की कल्पना की जा सकती है और इससे गठबंधन की मूल विचारधारा पर प्रश्न खड़े होने भी स्वाभाविक है। गठबंधन की सफलता के लिये नीति एवं नियत में एकजुटता जरूरी है। गठबंधन तभी सफलता से चलता है, जब सारे पक्ष थोड़ा-थोड़ा त्याग करें और किसी बड़े लक्ष्य को सामने रखे। क्षेत्रीय पार्टियों की बहुलता और अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग क्षेत्रीय पार्टियों की प्रधानता के चलते भी इस तरह के गठबंधन को लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। चुनावी हार और सत्ता से बाहर होने की स्थिति में तो ऐसे गठबंधन को संभालना लगभग असंभव ही हो जाता है। ऐसी स्थितियों में क्या इंडिया गठबंधन के भविष्य पर धुंधलके छाने लगे है। क्या वह अंतिम सांसें गिन रहा है। विपक्ष के लिए सबसे बड़ी चिंता यह है कि आम चुनाव के बाद वह जितना एकजुट और मजबूत नजर आ रहा था, अब उतना ही बिखरा एवं अलग-थलग होता हुआ दिख रहा है। जम्मू-कश्मीर और झारखंड की जीत इतनी बड़ी नहीं है, जो बाकी हार को छुपा सके। इन दोनों राज्यों में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया की जीत में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका रही और कांग्रेस की कम। इसलिए अब विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी उसे चुनौतियां मिल रही हैं। आने वाले चुनाव विपक्षी गठबंधन के भविष्य के लिए भी अहम और निर्णायक होंगे। विपक्ष की मजबूती उसके खुद के लिए ही नहीं, एक मजबूत लोकतंत्र के लिए भी जरूरी है। इंडिया गठबंधन का मूल उद्देश्य भाजपा एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर करना है, लेकिन इसके लिये कांग्रेस एवं गठबंधन प्रभावी मुद्दें प्रस्तुत करने में नाकाम रही है। जबकि भाजपा ने महाराष्ट्र में हिंदू मतदाताओं के रुझान का ख्याल रखा। इसी के हिसाब से नारे गढ़े। लाडकी बहिन जैसी लाभार्थी योजना, आरक्षण के सवालों और महाराष्ट्र के किसानों के मुद्दों के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति बनाई। लेकिन राहुल गांधी ऐसे चुनावी मुद्दों को गढ़ने में क्यों असफल रहे? इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के नेता राहुल गांधी की इन स्थितियों पर गंभीर मंथन कर रहे हैं। राहुल गांधी बेतुकी आक्रामकता से उपरत क्यों नहीं हो रहे हैं? वे सदन के भीतर एवं सदन के बाहर ऐसी ही तर्कहीन बातों एवं बयानों से अराजक माहौल बना रहे हैं। जिससे कांग्रेस तो कमजोर हो ही रही है, इंडिया गठबंधन भी कमजोर होता जा रहा है, यही बड़ा कारण है इसके बिखराव का, टूटन का।

क्या दोबारा निकल सकता है बोफोर्स का जिन्न बाहर भाजपा शासन में ?

अशोक भाटिया , वसई

बोफोर्स का जिन एक बार फिर बोतल बाहर आ सकता है। कहा जा रहा है कि इस मामले में सीबीआई जल्द ही प्राइवेट जासूस माइकल हर्शमैन से जानकारी मांगने के लिए अमेरिका को कानूनी अपील करने जा रही है । इससे पहले हर्शमैन ने 64 करोड़ रुपये के बोफोर्स रिश्वत घोटाले के बारे में भारतीय एजेंसियों के अहम जानकारी शेयर करने की ख्वाहिश जाहिर की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अफसरों का कहना है कि अमेरिका को न्यायिक अनुरोध भेजने के बारे में स्पेशल कोर्ट बताया गया है। यह अदालत इस केस आगे की जांच के लिए CBI की अर्जी पर सुनवाई कर रही है। लेटर्स रोगेटरी (एलआर) भेजने का अमल इस साल अक्टूबर में शुरू हुआ था। इस प्रक्रिया में लगभग 90 दिन लग सकते हैं। इसका मकसद मामले की जांच के लिए जानकारी हासिल करना है। बोफोर्स घोटाला भारतीय राजनीति का एक ऐसा काला अध्याय है, जिसने एक समय देश को हिलाकर रख दिया था। यह घोटाला 1980 के दशक में हुआ था और इसने भारतीय राजनीति पर गहरा असर डाला। 1986 में भारत सरकार ने स्वीडन की हथियार कंपनी बोफोर्स से 155 एमएम की 400 होवित्जर तोपें खरीदने का सौदा किया था। यह सौदा भारतीय सेना को आधुनिक हथियार मुहैया करने के मकसद से किया गया था। हालांकि, कुछ समय बाद यह बात सामने आई कि इस सौदे में भारी पैमाने पर रिश्वतखोरी हुई थी। दरअसल 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति लहर पर सवार राजीव गांधी ने लोकसभा की 403 सीटें हासिल करके विपक्ष का सूपड़ा साफ कर दिया था। लेकिन इस अभूतपूर्व जीत के बीच राजनीति के नए खिलाड़ी राजीव गांधी को घाघ कांग्रेसियों ने खूब छकाया। शाहबानो मामला, बाबरी मस्जिद का ताला खुलवाना और फिर उनके वित्त मंत्री वीपी सिंह का विद्रोह, इन सब से निपटने में वे अक्षम रहे। उनके साथी उनको छोड़ कर जाते रहे। बोफोर्स तोप घोटाले में उनको घेरा गया। 10 अप्रैल 1987 को मंत्री पद से विश्वनाथ प्रताप सिंह के इस्तीफे के साथ राजीव गांधी सरकार की मुश्किलें बढ़नी शुरू हो गईं। पहले वित्तमंत्री और फिर रक्षा मंत्री के तौर पर विश्वनाथ प्रताप सिंह के कुछ फैसलों ने राजीव गांधी को नाराज किया था। इस्तीफे के बाद जनता के बीच संदेश गया कि अपने विभागों में भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम के कारण विश्वनाथ प्रताप को मंत्री पद खोना पड़ा। 16 अप्रैल 1987 को स्वीडिश रेडियो ने बोफोर्स तोप खरीद में घोटाले और कमीशनखोरी का खुलासा किया। 20 अप्रैल को संसद में राजीव गांधी ने इसका खंडन किया। फिर इस कड़ी में हिंदू अखबार में चित्रा सुब्रह्मण्यम की रिपोर्टों ने हड़कंप मचा दिया। कैग की खिलाफ रिपोर्ट ने सरकार के लिए और मुश्किलें खड़ी कीं। संसद में विपक्ष के लगातार हंगामे और विपक्षी सांसदों के सामूहिक इस्तीफे ने रही-सही कसर पूरी कर दी। दूसरी तरफ 16 मई 1987 को कांग्रेस की एक बड़ी रैली जिसमें विश्वनाथ प्रताप श्रोताओं के बीच में थे, को संबोधित करते हुए राजीव गांधी कह रहे थे, "भारत की आजादी कब छिनी? जब मीरजाफर और राजा जयचंद जैसे गद्दारों ने विदेशी ताकतों से हाथ मिलाया। आप ऐसे लोगों से सतर्क रहें,यह लोग विदेशी ताकतों से हाथ मिलाकर देश के हितों को बेच रहे हैं।" सिर्फ मौजूद श्रोताओं तक ही नहीं बल्कि बाद में मीडिया के जरिए दूर तक संदेश गया कि राजा जयचंद की आड़ में राजा मांडा (विश्वनाथ प्रताप सिंह) निशाने पर हैं। जाहिर तौर पर यह कांग्रेस की भीतरी लड़ाई थी जिनमें प्रधानमंत्री राजीव गांधी और उस समय पूर्व तक उनके भरोसेमंद मंत्री रहे विश्वनाथ प्रताप सिंह आमने-सामने थे। लेकिन बोफोर्स की आंच ने राजीव गांधी, उनके ससुराली रिश्तेदारों-दोस्तों को भी लपेट में लेना शुरू कर दिया। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन उन दिनों इलाहाबाद से लोकसभा के सदस्य थे। उनकी गिनती राजीव गांधी के पारिवारिक मित्रों में थी। बोफोर्स कमीशन में हिस्सेदारी करने वालों में अपना और भाई अजिताभ का नाम उछलने पर अमिताभ बच्चन की हिम्मत जवाब दे दी गई। राजीव गांधी के मना करने के बावजूद अमिताभ बच्चन ने लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर राजनीति से तौबा कर ली। अमिताभ के इस्तीफे के कारण रिक्त इलाहाबाद लोकसभा सीट का 1988 में उपचुनाव हुआ। इस वक्त तक विश्वनाथ प्रताप सिंह की देश के तमाम हिस्सों की यात्राओं और भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम ने उन्हें काफी लोकप्रिय बना दिया था। "राजा नहीं फकीर है, भारत की तकदीर है "नारे की हर ओर गूंज थी। सत्ता के विरुद्ध उनकी छवि विपक्ष की सबसे मुखर आवाज और प्रभावशाली चेहरे के तौर पर स्थापित हो चुकी थी। इलाहाबाद उपचुनाव में वे अपने संगठन जनमोर्चा के प्रत्याशी थे। पूरा विपक्ष उनके पीछे था। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पुत्र सुनील शास्त्री को उनके विरुद्ध उम्मीदवार बनाया था। केंद्र और प्रांत की कांग्रेसी सरकारों की साझा ताकत और हर चुनावी हथकंडे इस्तेमाल करने के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। इस उपचुनाव में विश्वनाथ प्रताप सिंह को 2,02,996 और सुनील शास्त्री को 92,245 वोट प्राप्त हुए थे। इलाहाबाद उपचुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए खतरे की घंटी थे। इस नतीजे ने बिखरे विपक्ष को भी सीख और संदेश दिया कि कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने के लिए एक साथ आना होगा और विश्वनाथ प्रताप सिंह को नेता मानना होगा। सिर्फ एक दशक पहले जनता पार्टी के बिखराव की कड़वी यादें इन दलों के कदम आगे बढ़ने से रोक रही थीं। लेकिन और कोई रास्ता न होने के कारण एक बार फिर वक्ती मिलाप हुआ।सेक्युलर दलों ने जनता दल बनाया। भाजपा तथा वामदलों से चुनाव पूर्व गठबंधन किया। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने भाजपा के झंडों-मंचों से परहेज किया। लेकिन यह रणनीतिक दांव था , जहां दोनों को एक-दूसरे के वोट बैंक को बिना पास रहे अपने पक्ष में करना था। 1989 के लोकसभा चुनाव में ऐसा नहीं है कि अन्य मुद्दों की चर्चा नहीं हुई अथवा जातीयता, मजहबी गोलबंदी और क्षेत्रीयता के सवाल नहीं उभरे। लेकिन इन सब पर विश्वनाथ प्रताप सिंह की अगुवाई में जारी भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम भारी पड़ी। बोफोर्स का अप्रैल 1987 में निकला जिन्न दो साल बाद मई 1989 के लोकसभा के मतदान के वक्त भी पूरे विकराल रूप में था। ये आगे भी वर्षों तक गांधी परिवार और कांग्रेस का पीछा करता रहा। दबेशक इस मुद्दे पर कुछ साबित न हो पाया हो लेकिन राजीव गांधी और कांग्रेस के लिए यह बहुत भारी पड़ा। बोफोर्स की कथित दलाली ने राजीव गांधी की मिस्टर क्लीन की छवि को नष्ट कर दिया। सिर्फ पांच वर्ष पहले उन्होंने लोकसभा के चुनावी इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की थी। 1989 में वे सत्ता से बाहर हो गए। कांग्रेस को सिर्फ 197 सीटें मिलीं। जनता दल 143 , भाजपा 85 और वाम मोर्चा 45 सीटों पर जीता। केंद्र की अगली जनता दल की सरकार की अगुवाई विश्वनाथ प्रताप सिंह ने की, जिसे भाजपा और वाम मोर्चे व कुछ अन्य दलों का बाहर से समर्थन था। 2014 के लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार का मुद्दा एक बार फिर जोर-शोर से उठा। कांग्रेस की अगुवाई में यूपीए 2004 से ही सत्ता में थी। लेकिन इस बार सरकार के भीतर से नहीं बल्कि समाजसेवी अन्ना हजारे की अगुवाई में चले जनांदोलन ने सत्ता दल की छवि को धूल-धूसरित कर दिया। इस वक्त तक सोशल मीडिया और चैनलों का काफी विस्तार हो चुका था। इन सबके जरिए 2 जी और कॉमनवेल्थ जैसे घोटालों और मंत्रियों के विरुद्ध आरोपों की गूंज शहरों – कस्बों को लांघती दूर गांवों तक पहुंच गई। कैग की खिलाफ रिपोर्ट और सरकारी खजाने को 1 लाख 76 हजार करोड़ की चोट ने आरोपों पर और मोहर लगाई। आंदोलन को संघ परिवार का समर्थन हासिल था। अन्ना आंदोलन की कोख से उपजी आप पार्टी भी 2014 के चुनाव मैदान में उतरी। लेकिन इन सबसे अलग राष्ट्रीय राजनीति के मंच पर नरेंद्र मोदी के उभार ने सबको पीछे छोड़ दिया। गुजरे 25 वर्षों की गठबंधन सरकारों के प्रयोग से ऊबे वोटरों ने अकेले भाजपा को 282 सीटें देकर केंद्र में स्पष्ट बहुमत की स्थिर सरकार का रास्ता साफ कर दिया। अब 2014 से आज तक केंद्र में भाजपा सरकार है सो राजनैतिक हलकों में में चर्चा है कि दोबारा बोफोर्स के जिन्न बाहर निकालने का प्रयत्न किया जा रहा है ।

शब्द पहेली - 8337

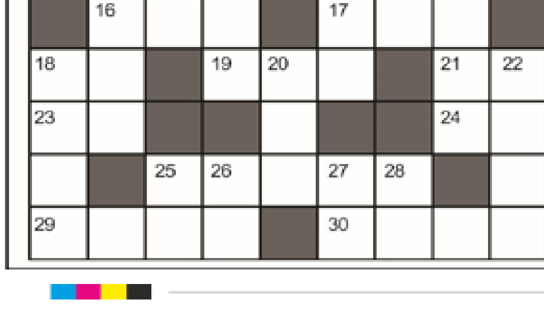

बाएँ से दाएँ

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी, मक्कारी-5
9. भस्म, खाक -2
11. आज्ञापालक, कर्मचारी-2
12. मगन, लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग, दक्षिणा-2
16. जीभ, जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास, रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी, नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे

1. अनबन, झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर, इच्छापूर्ति-4
8. नीरज, जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय, शरण-3
14. करिश्मा, करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार, पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र, चिट्ठी-2
28. नासिका, घ्राणेंद्रिय-2

शब्द पहेली -8336 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

मेष राशिः आज आपका दिन बढिय़ा रहेगा। आज कुछ महत्वपूर्ण लोगों से आपकी जान-पहचान बढ़ेगी। आज आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। साथ ही आपके अधूरे काम पूरे भी होंगे। अपने व्यक्तित्व के दम पर आप कुछ लोगों को अपने फेवर में करने में सफल होंगे, जिसका पूरा फायदा मिलेगा। सफर के दौरान किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर आपको खुशी महसूस होगी।

वृष राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज आप कुछ नया करने की सोचेंगे। अगर आप सूझ-बूझ से काम लेंगे, तो आय के स्त्रोत बढ़ेंगे। आज आप अपनी मेहनत के बल पर अपने कार्य समय रहते पूरा करने में सफल होंगे। आज आपको संतान सुख की प्राप्ति के योग बन रहे है। आज धैर्य पूर्वक किया गया फैसला लाभदायक सिद्ध होगा। छात्रों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

मिथुन राशिः आज आपका कॉन्फिडेंस लेवल हाई रहेगा। आज आपका मन सामाजिक कार्यों में लगेगा। घरेलु कार्यों में दोस्तों का सहयोग मिलेगा। तरक्की मिलने से परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। संतुलित भोजन करने से आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। आज आप थोड़े सोच-विचार में रहेंगे। आज आप अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए किसी अच्छे दोस्त के साथ योजना बनायेंगे।

कर्क राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। घर में किसी बड़े की सलाह लेकर ही आपको कोई बड़ा कदम उठाना चाहिए। कामकाज ज्यादा होने से आज आप कुछ ज्यादा ही व्यस्त रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन मिला-जुला रहने वाला है। परिवार वाले आज आपके व्यवहार से प्रसन्न होंगे। आज आपके बिजनेस में तरक्की होगी। आज ऑफिस में आपके काम से खुश होकर बॉस आपको कुछ उपहार देंगे।

सिंह राशिःआज आप अपनी वर्तमान स्थिति से प्रसन्न रहेंगे। आज बच्चों के साथ आपका समय बेहतर बीतेगा। कारोबार में आपको फायदा होने की संभावना है। छात्रों के लिए आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है, शिक्षकों का सहयोग मिलेगा। दांपत्य जीवन में नई खुशियाँ आने से मधुरता और बढ़ेगी। व्यापार के सिलसिले में आज आपको दूसरे शहर की यात्रा करनी पड़ेगी, ये यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी।

कन्या राशिः आज आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपका तनाव काफी हद तक ख़त्म हो जायेगा। आपको पैसे कमाने के कई नए मौके मिलेंगे। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें शोहरत और पहचान भी मिलेगी। लोगों को तेजी से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाएं रखेगी। लवमेट के रिश्तें में नयापन आयेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज कुछ नया सीखने का मौका आपको मिलेगा। ऑफिस में जूनियर आपका सहयोग करेंगे। नए लोगों से मुलाकात के कुछ अच्छे मौके मिलेंगे। दिनभर की भागदौड़ के बाद शाम को आपको थोड़ी थकावट महसूस होगी, लेकिन जल्द ही रिलेक्स भी हो जायेंगे। जॉब के लिए नई संभावनाओं की तलाश पूरी होगी। आपको अच्छी जगह नौकरी लगाने के योग बने हुए हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। शाम तक आपको कोई अच्छी खबर मिलेगी। संचार-साधनों से आपको फायदा होगा। आज आप दोस्तों के साथ पार्टी करेंगे। आज आपके लिए ज्यादातर चीजें बहुत आसानी से सुलझती जाएंगी। कुछ नए अनुभव भी आपको प्राप्त होंगे। कुछ ऐसे लोगों से मुलाकात होगी, जिनके पास पैसे कमाने के बहुत अच्छे विचार होंगे। लोगों की मदद से आपकी इनकम बढ़ेगी।

धनु राशिः आज आप व्यावहारिक रहेंगे। इस राशि के जो लोग कंट्रक्शन का कार्य कर रहे हैं, उन्हें कोई बड़ा फायदा होगा। संतान पक्ष से आपको कोई खुशखबरी मिलेगी। करियर में आपको सफलता मिलेगी। किसी मित्र से मिलने उसके घर जायेंगे। आज आप कहीं जाने का प्लान बनायेंगे। लोगों से अपनी बात मनवाने में सफल होंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन धार्मिक गतिविधियों में बीतेगा। जमीन-जायदाद के कागजात को आज सम्भाल कर रखे। साथ ही अपने आस-पास हो रही गतिविधियों पर भी नजर रखने की आवश्यकता है। अगर आप कुछ चीजों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने की संभावना है। आपको अपनी चीजों को संभालकर रखना चाहिए।

कुंभ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आप ऐसा कोई काम करेंगे, जिससे आपकी तारीफ होगी। आज आपको नये ऑफर मिलेंगे, इसके लिए आपको तैयार रहना चाहिए। आज आप सामाजिक कामों में सफल रहेंगे। इस राशि के जो लोग विवाहित हैं, वे शाम को किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डीनर का प्लान बनायेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। माता-पिता आपकी ख़ुशी देखकर प्रसन्न होंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी, उनके साथ आप देर तक बात करेंगे। कामकाज के क्षेत्रों में परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। ऑफिशीयल मीटिंग के दौरान आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आगे चलकर कोई बड़ा फायदा कराएगा। आज कामकाज में सफलता प्राप्त होगा।

हरभजन ने बुमराह को मैक्ग्रा, वाल्श और एम्ब्रोस जैसा गेंदबाज बताया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सराहना करते हुए उन्हें ग्लेन मैक्ग्रा , कोर्टनी वाल्श और कर्टली एम्ब्रोस जैसा गेंदबाज बताया है। हरभजन ने कहा कि कहा, बुमराह रन नहीं देते और विकेट पर गेंदबाजी करते हैं जिससे उनकी गेंबाजी खेलना काफी मुश्किल होता है। वह विरोधियों को रन बनाने के अवसर नहीं देते जिसेस बल्लेबाज उनके खिलाफ गलतियां कर देते हैं। उन्होंने कहा कि , मैकग्राथ, वॉल्श और कर्टली एम्ब्रोस भी कुछ ऐसे ही गेंदबाज थे। उन्होंने बहुत अधि विकेट लिए और बुमराह भी यही कर रहे हैं। विकेट लेने की उनकी क्षमता के कारण उनका स्ट्राइक रेट भी कम है. बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुए दोनो ही मैच में अच्छी गेंदबाजी की। पहले टेस्ट में बुमराह ने कुल 8 विकेट लिए थे। उसी कारण भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में जीत दर्ज करने में सफल रही। वहीं दूसरे टेसट में भी बुमराह ने पहली पारी में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक 4 विकेट लिए थे। बुमराह इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा 52 विकेट विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। वह इस प्रकार एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारत के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले ये उपलब्धि जहीर खान के नाम थी।

अगरकर के भरोसे पर खरे उतरे नितीश

मुम्बई। भारतीय टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए ऑलराउंडर नितीश रेड्डी और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अवसर दिया। उसको लेकर शुरुआत में जहां कई लोगों ने हैरानी जतायी थी। वहीं कई ने इसे गलत बताया था। कुछ ने तो यहां तक कहा था कि शार्दुल ठाकुर जैसे अनुभवी ऑलराउंडर की जगह पर नितीश को शामिल कर गलती की गयी है। वहीं दूसरे टेस्ट के बाद ये साफ हो गया कि अगरकर की रणनीति सही थी। नितीश ने जिस प्रकार दोनो टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी की है। उससे साबित हुआ है कि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। नितीश ने दोनो ही मैच में दबाव के बीच भी बेखौफ होकर बल्लेबाजी की।<नितीश और हर्षित के ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुने जाने पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं दिया था। चयन की चर्चा इसी बात पर केंद्रित रही कि दौरे पर आजिंग्य रहाणे और मोहम्मद शमी को भी ज़रुर होना चाहिए था। ये भी कहा गया कि नितीश और राणा का चयन आईपीएल में किये प्रदर्शन से प्रभावित होकर किया गया है। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तब नीतीश के चयन का समर्थन करते हुए कहा थाकि वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। वहीं नीतीश ने कहा था कि वह अवसर मिलने पर अपने को साबित करेंगे। वहीं राणा की बात करें तो उनकी गेंदों से मार्नस लैबुशेन जैसे बल्लेबाज भी बचने का प्रयास करते दिखे। पर्थ में आर अश्विन और रविंद्र जडेजा की जगह पर रेड्डी और राणा का चयन हुआ और दोनो ने ही अपनी प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया।

शमी पूरी तरह फिट होने के बाद ही वापसी करें : रोहित

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम की हार के बाद तेज गेंदबाज मो शमी को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किये जाने की मांग उठ रही है। इसी को लेकर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि शमी जब भी चाहें टीम में शामिल हो सकते हैं पर मेरा मानना है कि उन्हें पूरी तरह से फिट होने के बाद ही टीम में शामिल होना चाहिये। टीम उनको शामिल करने को लेकर किसी तरह की जल्दबाजी नहीं चाहती है। उन्होंने कहा, 'शमी की प्रगति पर लगातार हमारी नजरें हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलते हुए, उनके घुटने में फिर से सूजन आ गई थी। उस कारण से टेस्ट मैच खेलने के लिए वह जो तैयारी कर रहे हैं, उसको थोड़ा झटका लगा है। हम उनको लेकर सावधानी बरत रहे हैं जिससे कि वापसी के बाद उन्हें फिर कोई समयस्या नहीं हो। इसलिए हम चाहते हैं कि वह पूरी तरह से फिट होने के बाद ही टीम में लौटें। हम यह भी बिल्कुल नहीं चाहते कि उन पर टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दबाव बनाया जाये। शमी की कमी इसलिए टीम को खल रही है क्योंकि पर्थ टेस्ट में बुमराह के कारण भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कठिन हालातों परिस्थिति में भी वापसी करने में सफल रही थी पर एडिलेड टेस्ट में दूसरे गेंदबाज बुमराह के बनाये दबाव को आगे नहीं ले जा पाये। हैं।

आकाश दीप को मिल सकता है बचे हुए मैचों में अवसर

एडीलेड। युवा तेज गेंदबाज आकाश दीप को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर क्रिकेट सीरीज के बचे हुए मुकाबलों में खेलने का अवसर मिल सकता है। आकाश दीप ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण के बाद से ही प्रभावित किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिल पायी है। आकाश दीप ने अपने टेस्ट करियर में कुल 10 विकेट लिए हैं, जिसमें से 8 बार उन्होंने बाएं हाथ के बल्लेबाजों का शिकार किया है। ऐसे में वह ट्रेविस हेड सहित बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए मुसीबत बन सकते हैं। पिछले कुछ समय से हेड भारतीय टीम की हार के लिए जिम्मेदार रहे हैं फिर चाहते वह गत वर्ष हुए एक दिवसीय विश्वकप को लें या पिछल साल हुआ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल। इन दोनो में ही हेड ने बड़ी पारियां खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी। इसके बाद भी भारतीय टीम अभी तक हेड के खिलाफ प्रभावी रणनीति नहीं बना पायी है। ऐसे में अगर अकाश दीप मैदान पर उतरते हैं तो मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर से काम का बोझ भी कम होगा।

पीसीबी अब कड़ा रुख अपनाये : अफरीदी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अब कड़ा रुख अपनाना चाहिये। अफरीदी ने कहा कि भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) अगर अपनी टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए नहीं भेजती तो हमें भी किसी आईसीसी टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम नहीं भेजनी चाहिये। एक कार्यक्रम में अफरीदी ने कहा कि पीसीबी को क्रिकेट संबंधों पर कड़ा रुख अपनाना होगा। इसके साथ ही उसे मजबूत निर्णय लेने के लिए आत्मनिर्भर भी बनना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'पीसीबी को मजबूत और आत्मनिर्भर होने के साथ ही सैद्धांतिक फैसले भी लेने चाहिए। भारतीय टीम अगर पाकिस्तान में आकर नहीं खेल सकती है तो हमें भी भारत जाकर नहीं खेलना चाहिये। गौरतलब है कि चैंपियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी-मार्च के बीच पाकिस्तान में होने वाली है। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के अपने मैच पाक में खेलने से इनकार कर दिया है और उसकी जगह पर टूर्नामेंट को 'हाइब्रिड मॉडल में कराने को कहा है जिससे पीसीबी सहमत नहीं है और उसने शर्त रखी है कि उसके भारत में होने वाले आईसीसी मुकाबले भी तटस्थ स्थल पर रखे जाने चाहिये। अफरीदी ने कहा कि आईसीसी को भी अब यह तय करना है कि क्या वह केवल पैसा कमाना चाहता है या प्रत्येक सदस्य देश को क्रिकेट खेलने का पूरा अवसर देना चाहता है। अगर वह ऐसा नहीं करता तो ये विश्व क्रिकेट के लिए नुकसानदेह रहेगा।

व्यापार

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार

सेंसेक्स 81,650 के आसपास सुस्त; निफ़्टी-50 24,633.90 अंक पर

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट में हुई। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के कमजोर तिमाही बिक्री पूर्वानुमान के कारण एफएमसीजी शेयर फिसल गए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंकों की गिरावट लेकर 81,602.58 अंक पर खुला। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी मामूली गिरावट लेकर 24,633.90 अंक के स्तर पर ओपन हुआ। वहीं शेयर बाजार में शुक्रवार को पिछले पांच ट्रेडिंग सेशन से जारी तेजी पर विराम लग गया था। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स भारी उठापठक के बाद 56.74 अंक गिरकर 81,709.12 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 30.60 अंक की मामूली गिरावट के साथ 24,677.80 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों का रुख, घरेलू आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों का रवैया 9 दिसंबर से शुरू हो गए सप्ताह में घरेलू बाजारों की दिशा तय करेगा। वहीं रुपये का एक्सचेंज रेट और क्रूड ऑइल की कीमतें जैसे प्रमुख कारक बाजार के रुझान को तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बाजार के विशेषाज्ञों के अनुसार टेक्नीकल आउटलुक पर नजर तो डाले तो निफ्टी इंडेक्स 24,850-25,000 पर नए क्षेत्र के साथ सभी प्रमुख चलती औसत से सफलतापूर्वक ऊपर चला गया है। नीचे की ओर इसे 24,050 के स्तर पर मजबूत समर्थन मिल रहा है। जैसे-जैसे निफ्टी इंडेक्स 25,000 के मनोवैज्ञानिक अवरोध के करीब पहुंचता है, अस्थिरता बढ़ने की उम्मीद है।

टाटा पंच ने मारुति की लोकप्रिय वैगनआर को पछाडा

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की टाटा पंच ने मारुति की वैगनआर को बिक्री के मामले में पछाड़ दिया है और सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों की सूची में अपनी जगह बनाई है। टाटा पंच को अक्टूबर 2021 में बजट एसयूवी के रूप में लॉन्च किया गया था और तब से इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। इसने न केवल अपने सेगमेंट में सबसे बेस्ट परफॉर्मेंस, स्पेस और सुरक्षा फीचर्स दिए हैं, बल्कि इसकी कीमत भी किफायती रही है। मार्केट रिसर्च फर्म जाटो डायनामिक्स के अनुसार, जनवरी से जुलाई 2024 के बीच टाटा पंच की कुल 1,26,000 यूनिट्स की बिक्री हुई है, जबकि इसी दौरान मारुति वैगनआर ने 1,16,000 यूनिट्स बेचीं। टाटा पंच ने बिक्री में मारुति वैगनआर को पीछे छोड़ दिया है। खास बात यह है कि पंच की बिक्री में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वेरिएंट्स का योगदान 47 प्रतिशत रहा है, जो इसकी लोकप्रियता और उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को दर्शाता है। वहीं, वैगनआर की 45प्रतिशत बिक्री सीएनजी वेरिएंट से हुई है। टाटा पंच की कीमत 6.12 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है और इसे पेट्रोल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वेरिएंट्स में पेश किया जा रहा है। यह कार 5-स्टार ग्लोबल एनकैप सेफ्टी रेटिंग के साथ आती है, जो इसे बाजार में सबसे सुरक्षित कारों में से एक बनाता है। पंच, जो कि एक माइक्रो एसयूवी है, किफायती कीमत पर एसयूवी जैसी सुविधाएं देती है, यही कारण है कि यह ग्राहकों के बीच एक आकर्षक विकल्प बन चुकी है। टाटा पंच ने इस बदलाव का सही समय पर फायदा उठाया है और अब यह भारतीय बाजार में एक प्रमुख नाम बन चुका है। इससे यह भी स्पष्ट है कि भारतीय उपभोक्ताओं की रुचि अब पारंपरिक पेट्रोल-डीजल से हटकर इलेक्ट्रिक और सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधन विकल्पों की ओर बढ़ रही है।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 पीएम मोदी आज राजस्थान में वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन का किए उद्घाटन,32 से अधिक देशों के राजनयिक हुये शामिल
2 मॉस्को पहुंचे राजनाथ सिंह,राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात;अपनी यात्रा के दौरान,राजनाथ सिंह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ महत्वपूर्ण चर्चा किए और रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव के साथ सैन्य-तकनीकी सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग आईआरआईजीसी एमएंडएमटीसी' की सह-अध्यक्षता किये
3 किसान आंदोलन का भविष्य क्या होगा,डटे रहेंगे या हटना पड़ेगा? सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई
4 सीरिया में सभी भारतीय नागरिक सुरक्षित,दूतावास पूरी तरह से सक्रिय;MEA ने जारी की एडवाइजरी
5 जॉर्ज सोरोस से जुड़े संगठन से सोनिया गांधी का भी संबंध,BJP ने लगाए बड़े आरोप
6 जयपुर में मार्शल आर्ट की यूनिफॉर्म में नजर आए राहुल गांधी,बच्चियों को सिखाए दांव-पेच
7 सत्यपाल मलिक का भी उठा राहुल गांधी से भरोसा,बोलेः ममता या उद्धव को बनाओ नेता
8 बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा पर प्रवीण तोगड़िया का बयान,बोलेःभारत बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को सहन नहीं करेगा,अगर वहां के हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती है तो भारत सरकार को सैन्य हस्तक्षेप करना होगा
9 रविवार शाम को दिल्ली और एनसीआर के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी बारिश हुई,जिसके बाद तापमान गिरने के साथ ठंड और बढ़ गई है,अगले दो से तीन दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना है,मौसम विभाग का कहना है कि अगले 12 घंटों के दौरान दिल्ली एनसीआर में गरज के साथ बहुत हल्की बारिश होने के आसार हैं
10 चौथे दिन पुष्पा 2' की आंधी में उड़े गदर 2',बाहुबली' के रिकॉर्ड,500 करोड़ कमाने वाली बनी सबसे तेज फिल्म
11 शेयर बाजार में इस हफ्ते उतार-चढ़ाव का अनुमान,महंगाई दर के आंकड़ों से लेकर फॉरेन इन्वेस्टमेंट,5 फैक्टर्स तय करेंगे बाजार की चाल
12 AAP सरकार की मुफ्त योजनाओं का 99 प्रतिशत दिल्लीवासियों ने किया समर्थनःपार्टी का दावा
13 Syria Civil War: सीरिया से भागकर परिवार के साथ रूस पहुंचे असद,राष्ट्रपति पुतिन ने दी राजनीतिक शरण
14 जम्मू-कश्मीर में 2 पुलिस कर्मियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, छानबीन में जुटी Police
15 राजनाथ सिंह मॉस्को पहुंचे,पुतिन से करेंगे बातचीत,INS तुशील के जलावतरण समारोह में लेंगे हिस्सा
16 बॉर्डर की सुरक्षा के लिए एंटी ड्रोन यूनिट बनाएगा भारत,BSF के स्थापना दिवस पर बोले अमित शाह
17 हिन्दुत्व बीमारी है; महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा के बयान पर बवाल,भाजपा हमलावर
18 इंडिया गठबंधन में अपनी ही सहयोगियों के निशाने पर कांग्रेस! तेजस्वी बोलेःसर्वसम्मति से चुना जाएगा नेता
19 किसान आंदोलन का मामला पहुंचा SC,पुलिस से झड़प के बाद रुका दिल्ली मार्च;कुछ घंटों में अगली रणनीति का खुलासा
20 PM मोदी हरियाणा पहुँचे,बीमा सखी योजना लॉन्च किए;सुरक्षा में 13 जिलों के SP तैनात,स्कूल बंद
21 दिल्ली विधानसभा चुनाव,आप में बगावत,67 पदाधिकारियों ने इस्तीफा दिया,कहाःबिट्टू का समर्थन नहीं करेंगे
22 राहुल गांधी पर प्रमोद आचार्य का बड़ा कटाक्ष, कहाः15 साल में कर दिया 150 साल पुरानी पार्टी को खत्म
23 ईरान,इजराइल के बीच संबंध या उसका अभाव चिंता का विषयःविदेश मंत्री जयशंकर
24 सीरिया में सभी भारतीय सुरक्षित,दूतावास नागरिकों के संपर्क मेंः सरकारी सूत्र
25 आप ने भाजपा पर दिल्ली में रोहिंग्याओं को बसाने का लगाया आरोप; भगवा पार्टी ने कहाःयह निराधार बयानबाजी'
26 पंजाब,हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में बारिश की संभावना;9 दिसंबर से चलेगी शीतलहरःIMD
27 बांग्लादेश ने भारत को हराकर अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीता
28 भारत ने बांग्लादेश से लिया हार का बदला,हॉकी मैच में 13-1 से रौंदा
29 AUS vs IND: ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से हराया,सीरीज 1-1 से बराबर
30 बांग्लादेश दौरे पर पहुंचे भारतीय विदेश सचिव,हिंदुओं की सुरक्षा का उठाया मुद्दा
31 दिल्ली भाजपा ने जारी किया नया पोस्टर,मनीष सिसोदिया को बताया पटपड़गंज का भगोड़ा
32 श्री कृष्ण जन्मभूमि केस की सुनवाई टली,अगले साल जनवरी में होगी सुनवाई
33 दिल्लीःराजौरी गार्डन इलाके में एक रेस्टोरेंट में लगी आग,मौके पर पहुंचीं 10 दमकल गाड़ियां
34 बांग्लादेश हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठा सकते हैं भारतीय विदेश सचिव
35 संसद सत्रःसोरोस मुद्दे पर हंगामे के बीच राज्यसभा की कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित
36 हमारे साथ दुश्मन देश के लोगों जैसा व्यवहार किया जा रहा है,बोले किसान नेता सरवन सिंह पंढेर
37 बंगाल के मुर्शिदाबाद में बनाएंगे नई बाबरी मस्जिद,बोले TMC विधायक हुमायूं कबीर
38 दिल्ली चुनावःजंगपुरा से मनीष सिसोदिया को टिकट,पटपड़गंज से लड़ेंगे अवध ओझा
39 चिड़िया से टकराया प्लेन,दिल्ली-शिलांग फ्लाइट की पटना में इमरजेंसी लैंडिंग
40 गुजरात के जूनागढ़ में भीषण सड़क हादसा,5 स्टूडेंट्स सहित 7 की मौत

एथनिक लुक में राशि खन्ना ने इंटरनेट पर बरपाया कहर

एक्ट्रेस की हॉटनेस देख यूजर्स खो बैठे होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस राशि खन्ना 'द साबरमती रिपोर्ट' को लेकर काफी चर्चाओं में बनी हुई हैं। इस फिल्म में उन्होंने बतौर लीड एक्ट्रेस के तौर पर भूमिका निभाई हैं। हालांकि दर्शकों को उनकी एक्टिंग काफी पसंद भी आ रही है। अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनकी हॉटनेस देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। साउथ और बॉलीवुड की खूबसूरत हसीना राशि खन्ना आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस राशि खन्ना ने डार्क ग्रीन कलर का सूट पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट पोज देती हुई नजर आ रही हैं। कानों में बड़े इयररिंग्स और नो मेकअप लुक कर के साथ ही न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस राशि खन्ना इन दिनों अपनी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' को लेकर काफी लाइमलाइट बटौर रही हैं। राशि खन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी तगड़ी है। ये नहीं वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनके लुक को देखकर अक्सर फैंस उनका स्टाइल फॉलो करते हैं।

वनवास की रिलीज से पहले जारी हुआ गाना बंधन, दिखी उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर की खूबसूरत लव स्टोरी

वनवास एक आगामी इमोशनल ड्रामा फिल्म है। भारतीय पुराण रामायण के एक मॉडर्न ट्विस्ट के साथ वे कहानी को सामने रखने वाले हैं। फिल्म का गाना रिलीज हो गया है। गाने का नाम है बंधन। गाना रिलीज किया गया है। गाने को सोशल मीडिया पर पसंद किया जा रहा है। गाने में उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर की लव स्टोरी को दिखाया गया है। वहीं, इस गाने में नाना पाटेकर और सुमन शर्मा की लव स्टोरी को भी दिखाया गया है। गाने को रिलीज कर सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, दिलों के रिश्ते और आपसी लगाव से जुड़ा गाना सामने आ गया है। बंधन गाने को विशाल मिश्रा, पलक मुच्छल और मिथुन ने गाया है। गाने को मिथुन ने कंपोज किया है। इस गाने के बोल सईद कादरी ने लिखा है। दिल को छू लेने वाला यह गाना लोगों के बीच गहरे और अटूट संबंधों का प्रतीक है। गाने की धुन प्रशंसकों ने पसंद की है, सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस गाने की बहुत तारीफ भी की है।

पुष्पा 2 ने रचा इतिहास, आरआरआर को पछाड़ 175 करोड़ रु. से खोला खाता

इंडिया की बिगेस्ट ओपनर बनी अल्लू अर्जुन की फिल्म

सुकुमार-अल्लू अर्जुन की एक्शन फिल्म पुष्पा 2: द रूल ने ओपनिंग डे पर नया इतिहास रचा है. पुष्पा 2 आधिकारिक तौर पर भारतीय और दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली भारतीय फिल्म बनकर उभरी है. 5 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुए पुष्पा 2 ने राजामौली की एपिक फिल्म आरआरआर को पछाड़कर बॉक्स ऑफिस का नया बादशाह बन गया है. सैकनिल्क के लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, पुष्पा 2 ने सभी भाषाओं में अपने पहले दिन भारत में लगभग 165 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है. यह सब एक सप्ताह के दिन हुआ. वहीं प्रीमियर शो से अल्लू अर्जुन की फिल्म ने 10.1 करोड़ रुपये का बिजनेस किया. इस तरह पुष्पा 2 ने लगभग 175.1 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ ओपनिंग की है. इसने राम चरण, जूनियर एनटीआर की फिल्म आरआरआर को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया. सैकनिल्क के मुताबिक, राम चरण, जूनियर एनटीआर की फिल्म ने 133 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग की थी. पुष्पा 2 ने हिंदी में शाहरुख खान की फिल्म जवान को पीछे छोड़ दिया है. सैकनिल्क के मुताबिक, 2023 में रिलीज हुई किंग खान और नयनतारा की फिल्म जवान ने ओपनिंग डे पर सभी भाषाओं में 75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. इसमें से फिल्म ने सिर्फ में हिंदी वर्जन में 65.5 करोड़ रुपये कमाए. किंग खान की यह हिंदी में सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली भारतीय फिल्म बनी. अब अल्लू अर्जुन की फिल्म ने किंग खान के इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है. पुष्पा 2 ने हिंदी वर्जन में जवान को पछाड़ते हुए 67 करोड़ रुपये की कमाई की है. भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़ी ओपनर फिल्म आरआरआर है, जिसने पहले दिन 223.5 करोड़ रुपये कमाए, उसके बाद बाहुबली 2 (214.5 करोड़ रुपये) और कल्कि 2898 एडी (182.6 करोड़ रुपये) हैं. कई ट्रेड एनालिस्ट पुष्पा 2 के लिए 250 करोड़ रुपये से ऊपर का आंकड़ा बता रहे हैं. उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पुष्पा 2 और भी कई रिकॉर्ड अपने नाम करेगी. सुकुमार की निर्देशित और माइथ्री मूवी मेकर्स और मुत्तमसेट्टी मीडिया की निर्मित, फिल्म में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल एक बार फिर अपने पुराने किरदार पुष्पा राज, श्रीवल्ली और भंवर सिंह शेखावत को दोहराते हुए नजर आए हैं.

मां से योद्धा बनीं नयनतारा, हाथों में हथियार लेकर दुश्मनों को किया लहूलुहान राक्कायी से उनकी पहली झलक आई सामने,

साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कही जाने वाली नयनतारा अपने 40 साल जन्मदिन पर उनकी जीवन पर बनी डॉयक्यूमेंट्री नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल रिलीज किया गया. वहीं, एक्ट्रेस के खास दिन पर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक नई फिल्म का एलान कर फैंस को खुश कर दिया है. ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर नयनतारा के फैंस को तोहफा देते हुए उनकी नई फिल्म के टाइटल टीजर का एलान किया है. उन्होंने फिल्म से नयनतारा का धांसू पोस्टर जारी करते हुए टाइटल का खुलासा किया है और कैप्शन में टीजर का लिंक साझा करते हुए लिखा है, युद्ध शुरू हो गया है. लेडी सुपरस्टार नयनतारा की रक्कई का धमाकेदार टाइटल टीजर पेश है. उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं. पोस्टर में नयनतारा अपने दोनों हाथों में हथियार लिए नजर आ रही हैं. उनके चेहरे पर एग्रेशन साफ नजर आ रहा है. वहीं रक्कई के टीजर की बात करें सेंथिल नल्लासामी की निर्देशित फिल्म के टीजर में नयनतारा को एक ऐसी मां के अवतार में दिखाया गया है, जो अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए योद्धा बन जाती है. रक्कई के टीजर की शुरुआत बच्चे के रोने की आवाज से शुरू होती है. इसके बाद एक खुले मैदान की झलक दिखाई जाती है, जहां एक झोपड़ी, जिसमें से बच्चे के रोने की आवाज आती है, के बाहर मशाल लिए दुश्मन की सेना नजर आती है. इस दौरान बच्चे की झलक दिखाई जाती है, जो भूखा रहता है. इसके बाद नयनतारा की झलक दिखाई गई है. वह अपने दुश्मनों से लडने और अपने बच्चे को शांत कराने की तैयारी करती हैं. वह ओखली में लाल मिर्च का पाउडर तैयार करती नजर आती है. इसके बाद वह बच्चे को दूध पिलाकर उसे झूले में सुला देती है. इस बीच दुश्मन की सेना उन पर वार करने के लिए उनकी झोपड़ी को ओर दौड़ पड़ते हैं. बच्चे को सुलाने के बाद नयनतारा हाथ में हथियार लेकर दुश्मनों से जंग करने मैदान में उतरती हैं. वह दुश्मनों को लहूलुहान करते हुई नजर आती हैं. टीजर का आखिरी में नयनतारा को झूले में सोए बच्चे साथ दिखाया जाता है. इस बीच फिल्म के टाइटल का खुलासा होता है. नयनतारा का यह एक्शन अवतार उनके फैंस को काफी पंसद आया है. उधर, नयनतारा ने रक्कई का टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, एक ऐसी भूमि में जहां न्याय केवल एक स्मृति मात्र है. एक मां, जिसकी दुनिया उसका बच्चा था. लेकिन जब उसकी बच्चे की जान को एक राक्षस से खतरा होता है. तो वह भागती नहीं... वह डगमगाती नहीं. इसके बजाय, वह जंग का एलान करती है. नयनतारा ने अपने जन्मदिन से एक दिन पहले अपने फैंस को अपनी अपकमिंग फिल्म का पोस्टर साझा किया, जिसमें वह अकेले दुश्मनों के सामने निडर होकर खड़ी नजर आ रही है. हाथ में भाला लिए नयनतारा का ये अवतार किसी बड़े युद्ध का संकेत दे रही है. पोस्टर पर बड़े अक्षरों में लिखा है, उसने जंग का एलान किया है. एक्ट्रेस के इस पोस्टर को कई सोशल मीडिया यूजर्स ने साउथ स्टार धनुष के साथ चल रहे उनके अनबन से जोड़ा है. इससे पहले नयनतारा ने अपनी बायोग्राफी डॉक्यूमेंट्री नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल का पोस्टर शेयर कर बताया कि उनकी डॉक्यूमेंट्री अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है. नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल में नयनतारा के पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक की झलक दिखाई गई है. एक्ट्रेस के करीबी लोगों ने खुद उनके जीवन के बारे में खुलासा करते हुए नजर आ रहे हैं. इस डॉक्यूमेंट्री में नयनतारा और विग्नेश की अनसीन वेडिंग की भी झलक दिखाई गई है.

प्रियंका चोपड़ा हिंदी सिनेमा में वापसी को तैयार, बोलीं- मैं कुछ अलग तलाश रही हूं

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपने अभिनय का परचम लहराने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी को लेकर चर्चा में हैं।उन्हें आखिरी बार हिंदी फिल्म द स्काई इज पिंक में देखा गया था, जिसमें वह फरहान अख्तर के साथ नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी और प्रियंका पिछले 5 साल से हिंदी सिनेमा से दूर हैं।अब प्रियंका ने हिंदी फिल्म करने के संकेत दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। प्रियंका ने कहा, मैं कई निर्माताओं से मिलती हूं और कहानी पढ़ती हूं। हिंदी फिल्मों में मैं अलग तरह का रोल तलाश रही हूं। यह साल मेरे लिए वाकई बहुत व्यस्त रहा, लेकिन मेरे पास कुछ है। मैं आप सब लोगों को जल्द बताऊंगी।इसके अलावा जब प्रियंका से फिल्म जी ले जरा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। फरहान ने अपनी फिल्म जी ले जरा की घोषणा 2021 में की थी, लेकिन अभी तक उनकी यह फिल्म शुरू नहीं हो पाई है।इसकी स्टाकरस्ट और कहानी से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं, वहीं कई बार फिल्म के डिब्बा बंद होने की खबरें भी सामने आईं। हालांकि, फिल्म को ठंडे बस्ते में डालने की खबरों को फरहान नकार चुके हैं।इस फिल्म में प्रियंका के साथ आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ भी नजर आएंगी।

अजित कुमार की फिल्म विदामुयार्ची का दमदार टीजर रिलीज, फैंस को मिलेगा एक्शन और रोमांच का डबल डोज

अजित कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म विदामुयार्ची अब पोस्ट प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है। इस बीच फिल्म के निर्माता ने अब यह आधिकारिक रूप से घोषणा कर दी है कि यह फिल्म जनवरी 2025 में पोंगल के त्योहार के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी होगी। हाल ही में फिल्म के निर्माताओं ने बिना किसी पूर्व घोषणा के इसका टीजर जारी कर दिया। जारी किए गए टीजर लगभग दो मिनट लंबा है। इसमें फिल्म के सभी स्टार कास्ट, त्रिशा कृष्णन, अर्जुन सरजा, रेगिना कैसांद्रा, आरव समेत कई कलाकारों की झलकियां दिखाती हैं। इस टीजर को साझा करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने लिखा, अडिग प्रयास और न रुकने वाला एक्शन! विदामुयार्ची का टीजर अब आ चुका है। दृढ़ संकल्प ही विजय की राह दिखाता है। इस एक्शन से भरपूर टीजर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में लोगों को थ्रिल और एक्शन का फुल डोज मिलने वाला है। इसमें अर्जुन सरजा, रेगिना कैसांद्रा और आरव नकारात्मक भूमिकाएं निभाते हुए दिखाई देने वाले हैं। फिल्म के टीजर को देखकर ऐसा लगता है कि अजित कुमार एक मिशन पर हैं, जिसमें वह अजरबैजान के इलाकों में यात्रा करते हुए सच्चाई का खुलासा करने का प्रयास में हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस टीजर में फिल्म के कोई संवाद नहीं हैं, केवल टीजर के अंत में यह लिखा हुआ दिखता है, जब हर कोई, जब सब कुछ, तुम्हें छोड़ दे, तो खुद पर विश्वास रखो।इस सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में अनिरुद्ध रविचंदर का संगीत होगा। इसका छायांकन निरव शाह ने किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।